महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 256 | उज्जैन, बुधवार 25 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

मनुष्य की इच्छा-शक्ति, पक्षी के उन पंखों की तरह मजबूत होनी चाहिए, जो विपरीत हवा के रुख को भी अपनी उड़ान का माध्यम बना लेते हैं..

म.प्र. को नई रेल और रेल सुविधाओं की मिल रही है निरंतर सौगात : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को नई रेलों और रेल सुविधाओं की निरंतर सौगात मिल रही है। प्रदेश की राजधानी भोपाल से ऊर्जा राजधानी सिंगरौली तक सप्ताह के सातों दिन सीधी रेल की सुविधा प्रारंभ हो रही है, जो मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के यात्रियों के लिये भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार की शाम भोपाल के मुख्य रेलवे स्टेशन से भोपाल-धनबाद-चौपन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे थे। यह ट्रेन सप्ताह में 3 दिन सीधी-सिंगरौली तक, 3 दिन धनबाद तक और एक दिन चौपन तक जायेगी। इस ट्रेन का रूट बीना-सागर-मुड़वारा होकर रहेगा।

प्रदेश में निरंतर बढ़ रही रेल सुविधाएं, नई रेल भविष्य के विकास का नया रास्ता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय कैबिनेट जबलपुर-गोंदिया रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई है। इसके पहले मध्यप्रदेश को इंदौर-मनमाड रेल लाइन सहित सिंहस्थ के दृष्टिगत अनेक सौगातें मिली हैं। वंदे भारत और मेट्रो ट्रेन की स्पीड भी बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में विदेशों की तरह आधुनिक रेल सुविधाएं विकसित हो रही हैं। रेल बजट में भी 24 गुना अधिक बजट मिला है। छह अमृत भारत स्टेशन कटनी साउथ, नर्मदापुरम ओरछा, सिवनी शाजापुर और श्रीधाम के पुनर्विकास का कार्य हो रहा है। प्रदेश के 80 स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है। करीब पौने तीन हजार करोड़ रूपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं का लाभ यात्रियों को दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज के दिन को भी यादगार बना दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के पिछड़े माने गये सीधी-सिंगरौली क्षेत्र को भोपाल से प्रतिदिन की रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिल रहा है। यह ट्रेन सातों दिन चलेगी, भले गंतव्य 3 हों। यह युक्ति और बुद्धि का खेल ही नहीं बल्कि भविष्य के विकास का नया रास्ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई ट्रेन से राज्यों के पर्यटन विकास में सहयोग मिलेगा। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। धनबाद तक जाने वाली त्रि-साप्ताहिक ट्रेन 30 स्टेशनों को और चौपन तक जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन 15 प्रमुख स्टेशनों को जोड़ेगी। व्यापार, खनन और उद्योग क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

रेल लाइन का दोहरीकरण विकास में होगा सहायक, महाकौशल क्षेत्र का महत्व बढ़ेगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यदि जबलपुर से गोंदिया रेल लाइन के दोहरीकरण के व्यापक फायदों की चर्चा करें तो पर्यटन, धार्मिक गतिविधियों और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रभाव दिखाई देंगे। वन क्षेत्र जहां कभी नक्सलवाद का ग्रहण लगा था, वहां सुगम यातायात सुविधा से विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक समय नक्सलवादियों ने निर्वाचित जनप्रतिनिधि की सरेआम हत्या कर लोकतंत्र को लजाया था। अनेक वर्ष ऐसी घटनाओं पर सभी मौन रहते थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छा शक्ति से दरिंदगों से निपटने का कार्य किया गया है। मध्यप्रदेश में केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित डेड लाइन के पहले नक्सली समाप्त किये गये। महाकौशल क्षेत्र का महत्व दिनोंदिन बढ़ता जायेगा।

केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात से भोपाल से सीधी-सिंगरौली क्षेत्र तक रेल सुविधा की मांग चल रही थी। मध्यप्रदेश में रेल सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश में रेल सुविधाएं बढ़ाने के लिये निरंतर ध्यान आकर्षित करते हैं। आने वाले समय में मध्यप्रदेश की तीव्र औद्योगिक विकास में नई रेल सुविधाएं उपयोगी सिद्ध होंगी, जहां 18 हजार करोड़ रूपये से अधिक लागत की इंदौर-मनमाड रेल लाइन अर्थव्यवस्था बदलेगी, वहीं 5200 करोड़ लागत से जबलपुर-गोदिंया रेल लाइन का दोहरीकरण कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, धुआंधार जल प्रपात और अन्य स्थानों के पर्यटन महत्व में वृद्धि करेगा। नागरिकों को समृद्धि का भरपूर लाभ मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

चीन जैसे देशों को मिलेगा फायदा, लेकिन भारत... ट्रंप के टैरिफ पर मूडीज ने बताया क्या-क्या बदलेगा

नई दिल्ली/ जीएनएस। मूडीज एनालिटिक्स का मानना है कि अमेरिका द्वारा सभी देशों पर एक समान 15 प्रतिशत का शुल्क लगाने से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कुछ देशों को लाभ होगा। उसने कहा कि अमेरिका के इस कदम से चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के उन देशों को ज्यादा लाभ होगा, जो वॉशिंगटन की तरफ से ज्यादा शुल्क की मार झेल रहे हैं। हालांकि, इस एक समान टैरिफ का लाभ जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देशों पर असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि वहां आधार शुल्क पहले से ही 15 प्रतिशत है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन के विभिन्न देशों पर टैरिफ लगाए जाने के खिलाफ अपना फैसला सुनाया था। उसके बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। खास बात यह है कि इस बारे में अभी तक कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। मूडीज ने कहा, कोर्ट के फैसले से अमेरिका के साथ भारत और इंडोनेशिया के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते पर भी सवाल उठने लगे हैं। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद बंद करने की समयसीमा और इंडोनेशिया से टैरिफ-फ्री टेक्सटाइल एक्सपोर्ट की मात्रा जैसी खास बातें अभी फाइनल नहीं हुई हैं। मूडीज एनालिटिक्स का मानना है, ट्रंप टैरिफ बढ़ाने के लिए दूसरे कानूनी रास्ते खोज सकते हैं और हैरानी नहीं होगी अगर अमेरिकी टैरिफ शुक्रवार से पहले के करीब पहुंच जाए। इतना ही नहीं कुछ सरकारें अमेरिका के साथ ट्रेड डील को मंजूरी देने में आनाकानी कर सकती हैं। हालांकि, इसकी संभावना कम है, क्योंकि इससे चिढ़कर ट्रंप उन देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान कर सकते हैं। मूडीज ने कहा कि अगर टैरिफ 15 प्रतिशत भी रहता है तो व्यापार में अनिश्चितता और लाजिस्टिक की समस्या उत्पन्न होगी, क्योंकि कंपनियां पहले से चुकाए गए टैरिफ के लिए मुआवजा मांग सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो यह प्रक्रिया बहुत विवादित और समय लेने वाली साबित होगी।

राजाजी को सम्मानित देखकर खुशी हुई, सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा अनावरण पर बोले थरूर

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राष्ट्रपति भवन में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा के अनावरण का मंगलवार को स्वागत किया। राजगोपालाचारी को सम्मानित करने पर खुशी जताई। गौरतलब है कि राष्ट्रपति भवन में सोमवार को ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा को हटाकर उसी जगह देश के पहले भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा लगाई गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने अशोक मंडप के निकट राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। राजाजी के नाम से मशहूर राजगोपालाचारी स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और विद्वान थे। वह 1948 से 1950 तक भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल रहे। वह पहले भारतीय गवर्नर-जनरल भी थे। जबकि एडविन लुटियंस ने नई दिल्ली में कई भव्य व ऐतिहासिक इमारतों का डिजाइन किया था। थरूर ने पोस्ट किया, राजाजी को राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई है। मैं उनके विचारों का प्रशंसक रहा हूं और अपने छात्र जीवन में उनकी स्वतंत्र पार्टी का प्रबल समर्थक था। उनके मूल्य और सिद्धांत, उदार अर्थशास्त्र के लिए समर्थन, सामाजिक न्याय, भारतीय सभ्यता और धार्मिक आस्था में दृढ़ विश्वास, लेकिन सांप्रदायिक कट्टरता का कोई अंश नहीं, और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और स्वतंत्रता में अटूट आस्था मेरे लिए प्रेरणादायक हैं।

वे लोग जंगली और मूर्ख..., आध्यात्मिक गुरुओं के समर्थन में मद्रास हाई कोर्ट के जज का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली/ जीएनएस। मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने आध्यात्मिक गुरुओं के समर्थन में एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग आध्यात्मिक गुरुओं को भगवान नहीं मानते, वह बहुत क्रूर हैं। वह दरअसल तमिलनाडु के तर्कवादियों पर निशाना साध रहे थे।

जस्टिस जीआर स्वामीनाथन होसुर सत्संग द्वारा आयोजित कार्यक्रम गुरु वंदन उत्सव में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपना व्यक्तिगत आध्यात्मिक अनुभव भी बताया और कहा कि इसके बाद उनकी आस्था के बारे में समझ बदल गई।

गुरुओं को बताया भगवान- उन्होंने कहा, तमिलनाडु में कुछ तर्कवादी हैं जो गुरुओं को भगवान मानने के लिए हमें अयोग्य, मूर्ख और बर्बर कहते हैं। लेकिन मैं कह रहा हूं कि वे लोग ही असली अयोग्य, मूर्ख और बर्बर हैं। उन्होंने बताया, मैं अपनी बेटी की ग्रेजुएशन ट्रिप पर था। मुझे और मेरी पत्नी को रात में ट्रैवल नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। लेकिन फिर भी हम निकल गए। सड़कों पर धुंध थी, विजिबिलिटी कम थी और तभी हमारी कार का टायर पंक्चर हो गया।

खुद का अनुभव किया साझा- उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी को टायर बदलना आता था और उसने ड्राइवर के साथ मिलकर कड़ाके की ठंड में उसे ठीक किया, जबकि मैं लगभग 30 मिनट तक गुरुनाथ का जाप करता रहा। उन्होंने कहा कि इस जाप ने मुझे शक्ति दी और उस बेबसी के पल में मुझे गुरु की शक्ति में मेरा विश्वास और पक्का कर दिया।

ऑपरेशन ऑक्टोपस चला हैदराबाद पुलिस ने कसा शिकंजा, 104 जालसाजों को किया अरेस्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। हैदराबाद पुलिस ने 16 राज्यों में फैले साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ कर 104 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी. सज्जनार ने मंगलवार को बताया कि 32 विशेष टीमों ने 10 दिनों में आपरेशन आक्टोपस के तहत कार्रवाई की।

आरोपित देशभर में दर्ज 1,055 साइबर धोखाधड़ी मामलों से जुड़े हैं, जिनमें कुल धोखाधड़ी की राशि लगभग? 127 करोड़ है। सज्जनार ने कहा कि ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत इन टीमों ने महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, बंगाल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और ओडिशा में साइबर अपराध के हॉटस्पॉट पर कार्रवाई कर 104 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने 204 मोबाइल फोन, 141 सिम कार्ड, 152 बैंक पासबुक, 234 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, 26 लैपटाप, 56 कारपोरेट/फर्म स्टांप के साथ-साथ 36 लाख रुपये नकद जब्त किए। हाल के दिनों में धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे पीड़ितों को उनकी मेहनत की कमाई का नुकसान हुआ है।

इसलिए इन अवैध नेटवर्कों पर निर्णायक प्रहार करने के लिए आपरेशन आक्टोपस के तहत कार्रवाई की गई।इन मामलों की जांच के बाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस), हैदराबाद ने 151 बैंक खातों के नेटवर्क की पहचान की, जो पीड़ितों के धन को अवेध तरीके से इधर से उधर करने के लिए उपयोग किए जा रहे थे।

गुरदासपुर पुलिस चौकी हत्याकांड में नहीं था पाकिस्तानी कनेक्शन! आरोपियों की हुई पहचान, कई लोग गिरफ्तार

गुरदासपुर/ जीएनएस। गुरदासपुर के गांव आदियां पुलिस चौकी में होमगार्ड के जवान अशोक कुमार और पंजाब पुलिस के एएसआई गुरनाम सिंह की गोली मारकर की गई हत्या मामले में पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है।

जानकारी के अनुसार, आरोपियों की पहचान रणजीत सिंह (गांव-आदियां), इंद्रजीत सिंह (गांव-आदियां) और दिलावर सिंह (गांव-आलीनंगल) के रूप में हुई है। पुलिस ने दिलावर सिंह को काबू कर लिया है, जिससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

ये भी बताया गया है कि पहले दिलावर को हिरासत में लिया गया, जिसने अन्य दोनों आरोपियों के नाम बताए हैं। आदियां के दोनों युवक अभी फरार है।

यह राष्ट्रीय गरिमा के खिलाफ..., एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर 277 हस्तियों ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश की बड़ी 277 बड़ी हस्तियों ने एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन की निंदा की है। इन 277 लोगों में हाईकोर्ट के पूर्व जज, रिटायर्ड ऑफिसर, पूर्व राजनियक, सेना और पुलिस के रिटायर्ड अधिकारी शामिल हैं।

इन लोगों की तरफ से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह प्रदर्शन राष्ट्रीय गरिमा के खिलाफ है। बयान में कहा गया, कार्यक्रम में दुनियाभर के नेता, उद्योगपति और टेक जगत से संबंध रखने वाले लोग पहुंचे थे। इस तरह का प्रदर्शन देश की छवि खराब करने वाला था। घटना की आलोचना की

कहा कि क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर भीतर घुसना और कपड़े उतारकर नारेबाजी करना सुरक्षा और शिष्टाचार दोनों का गंभीर उल्लंघन है। इसे राष्ट्रविरोधी कार्य बताते हुए कहा गया कि इससे भारत के विरोधियों को छवि खराब करने का मौका मिला।

बयान के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसा विरोध दिखाता है कि कुछ लोग देश की प्रतिष्ठा से ज्यादा अपनी राजनीति को महत्व देते हैं।

भारत और फ्रांस के दोहरे कराधान नियमों में संशोधन, निवेशकों को मिलेगा बड़ा लाभ

नई दिल्ली/ जीएनएस। टैक्स में दोहराव से बचने और टैक्स प्रक्रिया को और स्पष्ट बनाने के लिए भारत और फ्रांस ने डबल टैक्सेशन अवायडेंस कंवेंशन (डीटीएसी) में संशोधन के लिए प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत की तरफ से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल तो फ्रांस की तरफ से वहां के राजदूत थिर्रे मथयू ने ये हस्ताक्षर किए। दोनों देश टैक्स नियमों को जरूरत के मुताबिक अपडेट करना चाहते है।

वर्ष 1992 में दोनों देशों के बीच डीटीएसी पर हस्ताक्षर किए गए थे। डीटीएसी इसलिए किए जाते हैं ताकि एक ही आय पर दोनों देशों में अलग-अलग तरीके से टैक्स नहीं लगे। इससे निवेशकों को निवेश करने में आसानी होती है।

कैपिटल गेन से संबंधित टैक्स नियम में बदलाव- संशोधन के तहत मुख्य रूप से कैपिटल गेन से संबंधित टैक्स नियम को बदला गया है। अब किसी कंपनी के शेयर को बेचने पर कैपिटल गेन लगाने का अधिकार उस देश को होगा जहां कंपनी स्थित है। पहले इसे लेकर स्पष्टता नहीं थी। इससे विदेशी निवेशकों को निवेश करने में आसानी होगी और टैक्स का प्रारूप स्पष्ट रहेगा।

मोस्ट फेवर्ड नेशन क्लॉज अपडेट- संशोधन के तहत दोनों देशों के बीच मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) क्लॉज को अपडेट किया गया है। अब लाभांश पर 10 प्रतिशत की एकल दर तय की गई है। अगर किसी निवेशक के पास 10 प्रतिशत का शेयरहोल्डिंग है तो उन पर पांच प्रतिशत की रियायती दर लागू हो सकती है।

होली पर योगी सरकार ने दिया तोहफा, 9 मार्च तक चलेंगी एक्स्ट्रा बसें; रोडवेज कर्मियों को मिलेगा ये इनाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। योगी सरकार ने होली पर्व पर यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा । इसके साथ ही, उत्कृष्ट कर्मचारियों को 3600 से 4500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

अनुबंधित बसों के कर्मियों को नहीं मिलेगा अवकाश- प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि दिल्ली एवं गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश से यात्रा का दबाव अधिक रहता है। इसलिए इन क्षेत्रों में बसों और कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या पहले से सुनिश्चित की जाएगी। यदि प्रारंभिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलता है तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत निगम बसों को ऑनरोड रखा जाए और अनुबंधित बसों के कर्मियों को पर्व अवधि में अवकाश न दिया जाए। वाहन स्वामी समय से मरम्मत कार्य पूर्ण कर बसें संचालन हेतु उपलब्ध कराएं।

सुरक्षा और गुणवत्ता पर विशेष जोर- योगी सरकार ने यात्रा के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जाम या दुर्घटना की स्थिति को काबू कर संचालन सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवर्तन दल लगातार ड्यूटी पर रहेंगे तथा चालकों और परिचालकों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया जाएगा।

बसों की तकनीकी स्थिति दुरुस्त रहे, सीटें ठीक हों, खिड़कियों के शीशे सही हों और फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बस स्टेशनों और बसों में स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ रखने को कहा गया है।

कर्मचारियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना- पर्व अवधि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चालक-परिचालकों (संविदा एवं आउटसोर्सिंग सहित) को विशेष प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रतिदिन औसतन 300 किमी संचालन करने पर 360 रुपये प्रतिदिन की दर से 3600 रुपये मिलेंगे ।

10 दिन की पूर्ण ड्यूटी और निर्धारित मानक पूरा करने पर 450 रुपये प्रतिदिन की दर से 4500 रुपये और निर्धारित मानक से अधिक किलोमीटर पर प्रति किमी 55 पैसे अतिरिक्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। डिपो एवं क्षेत्रीय कार्यशालाओं में कार्यरत कर्मचारियों को भी 10 दिन लगातार ड्यूटी पर 2100 रुपये तथा नौ दिन की ड्यूटी पर 1800 रुपये एकमुश्त दिए जाएंगे। प्रोत्साहन अवधि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को क्षेत्रीय समिति की संस्तुति पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सर्वाधिक आय प्रति बस प्राप्त करने वाले तीन क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधकों एवं सेवा प्रबंधकों तथा 10 डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

‘हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें’ अभियान का 20वां आयोजन, अब तक 3400 हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ‘हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें’ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में अब तक 20 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 3400 जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए हैं।

इसी क्रम में 24 फरवरी 2026 को शहर के पलासिया चौराहे पर पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार त्रिपाठी की उपस्थिति में इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 20वां वृहद जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए, जिनके दस्तावेज पूर्ण पाए गए। जिन वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया गया, उनका पहले चालान किया गया और फिर उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट प्रदान किया गया।

अभियान में कई जिम्मेदार दोपहिया वाहन चालक भी शामिल हुए, जो स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर आए थे। पुलिस अधिकारियों ने ऐसे जागरूक चालकों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए।

यातायात पुलिस द्वारा लगातार आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों का उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क हादसों की गंभीरता से अवगत कराना और यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि इंदौर शहर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अभियान का मुख्य लक्ष्य यही है कि वाहन चालक नियमों की गंभीरता को समझें और स्वेच्छा से उनका पालन करें, साथ ही अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

निवेशकों की माँग अनुसार होगा पी.एम. मित्र पार्क में सुविधाओं का विकास

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग के धार जिले के भैंसोला में विकसित हो रहे पी.एम. मित्र पार्क के निवेशकों के साथ एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा एक स्टेक होल्डर्स कन्सल्टेशन बैठक का आयोजन इन्दौर में किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग भोपाल श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रबंध संचालक एम.पी.आई.डी.सी. भोपाल श्री चन्द्रमौली शुक्ला, वी.सी. के माध्यम से जुड़े एवं संभागायुक्त इन्दौर डॉ. सुदाम खाड़े, कार्यकारी संचालक एम.पी.आई.डी.सी. श्री हिमांशु प्रजापति के साथ-साथ ठेकेदार एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ उपस्थित थे। बैठक में पी.एम. मित्र पार्क के 35 इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश का पी.एम. मित्र पार्क 2158 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहा है। यह पार्क देश का सबसे बड़ा पी.एम. मित्र पार्क है एवं एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में रीजनल, नेशनल और इंटरनेशनल रोज शौ एवं कॉन्क्लेव के माध्यम से इस पार्क में उपलब्ध लगभग 1326 एकड़ औद्योगिक भूमि में से 1130 एकड़ भूमि सफलता पूर्वक कुल 38 इकाईयों की स्थापना हेतु निवेशकों को दो राउण्ड में आवंटित की जा चुकी है। जिनके द्वारा 21,500 करोड़ रूपये से अधिक का निवेश एवं लगभग 55 हजार रोजगार के नए अवसर बदनावर क्षेत्र में सृजित होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का शुभारंभ किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज पिपल्याहाना चौराहा के पास महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और महर्षि डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि उक्त सेंटर उच्च और आधुनिक तकनीक से लैस है, जहां सफेद दाग का संपूर्ण उपचार होने के साथ-साथ पैर के अल्सर घाव का बेहतर तरीके से उपचार होगा। उन्होंने सेंटर के संचालक सफेद दाग विशेषज्ञ डॉ. संजय दुबे और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ.अनुपमा दुबे को बधाई देते हुए कहा कि इंदौर के लिये इस तरह की एक सेंटर की आवश्यकता थी। डॉ. दुबे ने बताया कि यह सेंटर रिसर्च के बाद तैयार किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का अवलोकन किया और चिकित्सकों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में भारतीय जल सेना प्रमुख एडमिरल श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, श्री संजय शुक्ला सहित चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वर्षा ऋतु से पूर्व तालाबों की सफाई और चैनल लाइन क्लियर करने के निर्देश, कचरा न डालने के बोर्ड लगाए जाएंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा आज प्रातःकाल शहर के प्रमुख जलाशयों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, शृंगार श्रीवास्तव, सहायक यंत्री आकाश जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने बिलावली तालाब, लिंबोदी तालाब, पिपलिया पाला तालाब एवं सिरपुर तालाब का निरीक्षण करते हुए वर्षा काल में जलभराव और जल निकासी की संभावित समस्याओं की समीक्षा की। उन्होंने तालाबों की चैनल लाइन, इनलेट-आउटलेट व्यवस्था तथा ओवरफ्लो संरचनाओं का अवलोकन किया और निर्देशित किया कि सभी चैनल लाइनों की शीघ्र साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा जल का प्रवाह निर्बाध रूप से हो सके और तालाबों में पर्याप्त जल संग्रहण संभव हो।

उन्होंने तालाबों की तलहटी एवं आसपास जमा जलकुंभी, गाद, कचरा और अन्य अवांछित सामग्री को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब परिसर और पाथवे की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा किनारों पर पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखने के निर्देश भी दिए, ताकि स्वच्छता बनी रहे।

आयुक्त ने बिलावली, लिंबोदी, पिपलिया पाला एवं छोटा सिरपुर तालाब के आसपास अभियान चलाकर जलकुंभी हटाने और कचरा साफ करने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही तालाबों में कचरा न डालने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि नागरिकों में जागरूकता बढ़े और जलाशयों की स्वच्छता एवं संरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा ग्रामीण में आजीवन सहयोग निधि अभियान तेज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी इंदौर (ग्रामीण) द्वारा आजीवन सहयोग निधि एकत्रीकरण अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर समर्पण राशि एकत्र कर रहे हैं और संगठन को मजबूत करने का संदेश दे रहे हैं।

जिला मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी और जेपी नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि देपालपुर विधानसभा के बेटमा नगर में समर्पण निधि अभियान के तहत जिला प्रभारी गोपालसिंह चौधरी और सहप्रभारी रामस्वरूप गहलोत की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं से सहयोग राशि एकत्र की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है और यह अभियान संगठन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि एकत्रित निधि का उपयोग पार्टी कार्यालयों के संचालन और संगठनात्मक कार्यक्रमों के आयोजन में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष का पुष्पमाला और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सोहन पटेल, धर्मवीर सिंह चौहान, निलेश उपाध्याय, मूलचंद शर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि गुमान सिंह पंवार, मलखान सिंह चौहान और दिनेश गर्ग सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवाओं को नौकरी देने लिये रोजगार मेला 2 मार्च को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए इन्दौर जिले में युवा संगम कार्यक्रम रोजगार मेले लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अगला रोजगार मेला जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय इन्दौर द्वारा 02 मार्च सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउंड इन्दौर में आयोजित किया जाएगा। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में युवाओं को करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। युवा संगम कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ जैसे इनोफ्लेक्स, टोरस बीपीओ, तीसवा टेक्नोलॉजीज सर्विसेज, जस्ट डायल, शेफाली बिज़नेस सोलूशन, मोज़ेक वाक्स्किल्ल प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियाँ में 250 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु उपस्थित रहेंगी। इन कंपनियों में एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, टेली-कॉलर, ऑपरेटर, टीम लीडर, बैक ऑफिस, हेल्पर आदि रिक्त विभिन्न पदों पर आवेदकों का चयन किया जाएगा। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर आकर्षक वेतन पर प्रारंभिक चयन करेंगे। इस मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे आवेदक, जिन्होंने हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त की हो, तथा आईटीआई/डिप्लोमा जैसी तकनीकी योग्यता रखने वाले युवा भी भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले में शामिल होने वाले सभी आवेदकों को अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियाँ, बायोडाटा तथा आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियाँ साथ लाना होगीं।

‘जनता की बात- पुलिस के साथ’ पहल के तहत भंवरकुआ में जनसंवाद, पुलिस कमिश्नर ने सुनी क्षेत्रवासियों की समस्याएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन और पुलिस के बीच बेहतर संवाद व विश्वास स्थापित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ÷जनता की बातङ्कपुलिस के साथ÷ पहल के तहत थाना भंवरकुआ क्षेत्र की इंद्रपुरी कॉलोनी में मोहल्ला समिति बैठक एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, प्रभारी पुलिस उपायुक्त जोन-04 कृष्ण लालचंदानी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश डंडोतिया, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-04 दिशेष अग्रवाल, सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इंदौर विजय चौधरी तथा थाना प्रभारी भंवरकुआ राजकुमार यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उपस्थित नागरिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर साझा कीं और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में पुलिस का सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया।

पुलिस आयुक्त ने क्षेत्रवासियों के बीच पहुंचकर सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। छात्र-छात्राओं से चर्चा के दौरान उन्होंने उनके भविष्य, नशे के दुष्प्रभाव और यातायात नियमों के पालन के महत्व पर भी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों और पुलिस के मध्य संवाद, विश्वास और सहयोग को सुदृढ़ करना तथा सुरक्षा, साइबर फ्रॉड, यातायात जागरूकता एवं सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना रहा।

जनसंवाद के दौरान बढ़ते साइबर अपराधों पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों को अनजान कॉल, संदेश या लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, सुरक्षित डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म का उपयोग करने तथा ओटीपी और पासवर्ड गोपनीय रखने की सलाह दी। साथ ही साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

नशा मुक्ति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। युवाओं को खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही समुदाय पुलिसिंग, महिला सुरक्षा पहलों और बीट अधिकारियों की भूमिका की जानकारी भी साझा की गई।

सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया गया तथा सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाली राहवीर योजना की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में असामाजिक तत्वों पर निगरानी, सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। अधिकारियों ने नागरिकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए और भविष्य में भी ऐसे संवाद कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा सीएम हेल्पलाइन संबंधी शिकायतों के त्वरित और सकारात्मक निराकरण के लिये अनूठी पहल की गई है। इस क्रम में आज मंगलवार को परिवहन विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप सोनी ने बताया कि शिविर में संबंधित शिकायतकर्ताओं को आमंत्रित कर वन-टू-वन संवाद के माध्यम से कार्यालय से संबंधित शिकायतों जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन (रजिस्ट्रेशन), परमिट तथा वाहनों की नंबर प्लेट आदि से संबंधित कुल 20 शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण किया गया। शिविर सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। गत दिवस भी उत्साहपूर्वक कार्य करते हुए 49 शिकायतों का संतोषपूर्वक निराकरण किया गया। इस प्रकार दो दिवसों में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर से संबंधित कुल 69 शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में कार्यालय के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। परिवहन विभाग द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु विशेष प्रयास किए जाते रहेंगे।

थैलेसीमिया बाल सेवा योजना' के तहत एमजीएम मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन हेतु एचएलए टाइपिंग जांच शिविर आयोजित

शिविर में इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग के चिन्हित मरीजों की नि:शुल्क जांच की गई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत प्रदेश के थैलेसीमिया के मरीजों को बोन मैरो ट्रांसप्लांट की निःशुल्क सेवाएं प्रदाय करने के उद्देश्य से थैलेसीमिया बाल सेवा योजना के तहत एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर के ऑडिटोरियम में निःशुल्क HLA टाइपिंग जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग के चिन्हित मरीजों को निःशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए उनका एचएलए जांच की गई। यह आयोजन मेदांता फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

शिविर में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने थैलेसीमिया से ग्रस्त मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया। साथ ही शिविर के बारे में मेदांता फाउंडेशन के सीनियर हिमैटोऑँकोलॉजिस्ट डॉ. सत्यप्रकाश यादव और सीएसआर हैड सुश्री कौसर किदवई एवं संबंधित अधिकारियों से शिविर के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्हें निर्देश दिए कि चिन्हित मरीजों की जांच और उपचार में संवेदनशीलता अपनाये। शिविर में बताया गया कि थैलेसीमिया से ग्रस्त पात्र मरीजों एवं उनके मैच डोनर का चयन निर्धारित मापदंडों के अनुसार किया जाकर जिलेवार मरीजों की जानकारी तैयार की जाएगी। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही पात्र मरीजों का उपचार मेदांता फाउंडेशन के रजिस्ट्रर्ड बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर गुरूग्राम में किया जाएगा। इस उपचार में खर्च 14-15 लाख रुपये आता है, जिसे मध्यमवर्गीय परिवार वहन नहीं कर पाता है। प्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही थैलेसीमिया बाल सेवा योजना के तहत यह उपचार निन्शुल्क हो जाता है। बोन मैरो ट्रांसप्लांट के बाद थैलेसीमिया से ग्रस्त मरीजों को बार-बार रक्त चढ़ाने की जरूरत नहीं पड़ती, साथ ही वह स्वस्थ व्यक्ति की तरह ही जीवन जी सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि थैलेसीमिया एक अनुवांशिक रक्त विकार है, जो माता-पिता से बच्चों में आता है। इस रोग में शरीर में हीमोग्लोबिन कम बनता है, जिसके कारण उसका स्तर सामान्य से कम हो जाता है।

आगामी त्योहारों से पहले इंदौर पुलिस की बलवा ड्रिल, 400 से अधिक अधिकारियों ने लिया भाग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी होली और रंगपंचमी सहित अन्य त्योहारों को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रक्षित केंद्र इंदौर में जनरल परेड और बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। यह आयोजन पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 24 फरवरी 2026 को संपन्न हुआ।

जनरल परेड की सलामी पुलिस आयुक्त द्वारा ली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (का./व्य.) अमित सिंह सहित सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी, रक्षित निरीक्षक तथा विभिन्न थानों, यातायात और रक्षित केंद्र के लगभग 400 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ने परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों की वेशभूषा, अनुशासन एवं प्रदर्शन का अवलोकन किया।

आरक्षक से लेकर थाना प्रभारियों और एसीपी स्तर तक के अधिकारियों ने स्कॉट ड्रिल, कदमताल और बलवा नियंत्रण संबंधी अभ्यास में भाग लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया, वहीं जिनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा, उन्हें सुधार के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह भी समझाया कि किसी भी अप्रिय स्थिति में बलवा ड्रिल सामग्री का प्रभावी उपयोग कैसे किया जाए।

अभ्यास के दौरान टियर गैस गन की हैंडलिंग, सुरक्षा उपकरण पहनने की विधि, विभिन्न टूल्स का उपयोग तथा उपद्रवियों से निपटने की रणनीति का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही वाटर कैनन, रूद्र वाहन और वज्र वाहन जैसे बलवा नियंत्रण वाहनों का संचालन किस परिस्थिति में और किस प्रकार किया जाए, इसका जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। पुलिस और बलवाइयों की काल्पनिक टीम बनाकर स्थिति नियंत्रण का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया तथा घायल नागरिकों एवं पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार देने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान टीम भावना और मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से रस्सा खींच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। डीसीपी जोन-01 के नेतृत्व में थाना प्रभारियों की टीम और डीसीपी जोन-04 के नेतृत्व में राजपत्रित अधिकारियों की टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें राजपत्रित अधिकारियों की टीम ने जीत हासिल की।

इस आयोजन का उद्देश्य पुलिस बल को शारीरिक रूप से फिट, अनुशासित और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार रखना रहा, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे।

मुक्ति धाम विकास के लिए स्वीकृत राशि पर नागरिकों ने जताया आभार; ब्लड कैंसर से जूझ रही बच्ची ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को कहा धन्यवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखीं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके।

जनसुनवाई के दौरान ड्यूटी के समय दुर्घटना में घायल एक नगर निगम कर्मी श्री किरण गर्दे का मामला भी सामने आया। इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निगम कर्मी का पूर्ण एवं समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इसी दौरान महूगांव स्थित मुक्ति धाम की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने स्थानीय प्रतिनिधि कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

बीकानेर दुष्कर्म व हत्याकांड : मंदसौर में सर्व समाज व जिला सेन समाज ने सौंपा ज्ञापन

दोषियों पर कड़ी कार्यवाही व पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान के बीकानेर जिले के रणजीतपुरा क्षेत्र में कक्षा 8वीं की छात्रा के साथ परीक्षा देने जाते समय हुए जघन्य दुष्कर्म और निर्मम हत्या के विरोध में सर्वसमाज एवं जिला सेन समाज, मंदसौर ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के पदाधिकारियों ने सोमवार को मंदसौर कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपकर इस हृदयविदारक घटना की कड़ा निंदा की।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि एक मासूम बालिका, जो अपने उज्जवल भविष्य के सपने लेकर शिक्षा ग्रहण करने जा रही थी, उसके साथ हुई यह अमानवीय घटना न केवल मानवता को कलंकित करने वाली है, बल्कि इसने संपूर्ण समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस कृत्य से पीड़ित परिवार को अपूरणीय मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक आघात पहुँचा है, जिससे क्षेत्र में भय और आक्रोश का वातावरण बना हुआ है। जिला सेन समाज ने महामहिम राष्ट्रपति से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकार को कड़े निर्देश प्रदान किए जाएँ। ज्ञापन में दोषियों के विरुद्ध कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई करने और प्रकरण को फास्ट ट्रैक न्यायालय में संचालित कर शीघ्र न्याय दिलाने की अपील की गई है। इसके साथ ही, समाज ने पीड़ित परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता, विधिक सहयोग और समुचित सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग रखते हुए भविष्य में बालिकाओं की सुरक्षा के लिए ठोस निवारक उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस अवसर पर जिला सेन समाज मंदसौर के अध्यक्ष जितेन्द्र गेहलोद, सर्व समाज के विनय दुबेला, सेन समाज के विजय गेहलोद, किशोर खटवड़, ओमप्रकाश चौहान, राजेन्द्र तोमर, मुकेश सौलंकी, राजू गेहलोद, समरथ गेहलोद, गौतम वत्ता, रामचन्द्र परिहार, कन्हैयालाल, रमेश राठौर, विकास सेन, बालकृष्ण सेन, भेरूलाल सेन, प्रकाश परमार, श्यामलाल देवड़ा, नागुलाल मकवाना आदि समाजजन उपस्थित रहे।

बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए आष्टा में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के शून्य से 18 वर्ष की आयु वाले सभी बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा। इन शिविरों में जिला मेडिकल बोर्ड एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन सुनिश्चित किया जा रहा है और चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आष्टा जनपद पंचायत सभाकक्ष में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग की गई और चिन्हांकन किया गया। शिविर में कुल 67 दिव्यांग बच्चों ने पंजीयन कराया।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी निर्देशानुसार 24 फरवरी को आष्टा जनपद पंचायत सभाकक्ष के बाद अब 26 फरवरी को भैरूंदा जनपद पंचायत सभाकक्ष में, 27 फरवरी को रेहटी नगर परिषद में, 10 मार्च को बुधनी जनपद पंचायत सभाकक्ष में और 12 फरवरी को शाहगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रातः 10 बजे से शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के लिए संबंधित नगर पालिका सीएमओ और जनपद सीईओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जनसुनवाई में 99 आवेदन पर हुई सुनवाई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में आज मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आवेदको को सुना एवं आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये। जनसुनवाई में 99 आवेदन प्राप्त हुए। निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही उपस्थित विभागीय अधिकारियों से निराकरण करवाया गया एवं शेष आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया। आवेदक ईश्वरलाल पिता नन्दलाल निवासी धराड़ ने पूर्व मे मिल रही किसान सम्मान निधी जो अब बंद हो गई है, उसे पुनः चालु करने हेतु आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु तहसीलदार रतलाम को निर्देशित किया गया। आवेदक नरेन्द्र कुमावत निवासी सिलावटों का वास ने आवेदन मे बताया कि उनके पुत्र की समग्र आईडी में माता पिता का नाम सुधरवाने हेतु समग्र पोर्टल पर 14 जनवरी 2026 को ऑनलाइन आवेदन मे समग्र अपडेट कराया गया था। परंतु आज दिनांक तक दर्ज किये गए अनुरोध को अप्रूव नहीं किया गया। कार्यवाही हेतु नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया गया। आवेदक मांगूदास पिता प्रहलाददास बैरागी निवासी ढोढर ने आवेदन दिया कि वह विगत कई वर्षो से शासन नियंत्रित देवस्थान कबीर मंदिर ग्राम ढोढर तहसील जावरा में पुजारी के रूप में कार्य कर रहे है। उक्त सेवा कार्य का 32 माह का मानदेय भुगतान करवाने के लिए आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु तहसीलदार जावरा को निर्देशित किया गया। आवेदक राजेंद्र पिता शान्तिलाल सुराना निवासी बाजना ने आवेदन दिया कि वह पेंक्रिया टायपिंस बीमारी से ग्रसित है एवं आवेदक का इलाज चल रहा है।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई- 103 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने 103 आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे एवं सुश्री श्रुति भयडिया व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में सोनियाना के गेंदमल, बरूखेडा की मुन्नीबाई, मनासा की चंदाबाई, इंदिरा नगर नीमच की इंदिराबाई, बंगरेड की हर्षिता लोहार, नीमच के अनिल दुआ, जाट की कोशल्याबाई, बिसलवास सोनिगरा के मोहनलाल, चडौल के शैलेन्द्र सिह, बघाना के मांगीलाल, सरवानिया महाराज की गीताबाई, बावल नई के बालूराम, सेमली चंद्रावत के मोहनलाल, सुवाखेडा के राजेश नायक, विकास नगर नीमच के रमेशचंद्र सांखला, दुरगपुरा की शांतिबाई, ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाई।

जनसुनवाई में मनासा रामपुरिया के वार्ड नम्बर 13 की प्रिया सोलंकी ने बगैर सूचना के न.प.प्रशासन द्वारा उसकी झुग्गी तोड़कर नुकसान पहुचाने पर मुआवजा दिलाने और झुग्गी के स्थान पर अन्यत्र विस्थापित करने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम मनासा एवं सीएमओ मनासा को कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में रामपुरा के कमलेश मालवीय ने बैसला में एक निजी चिकित्सक द्वारा अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर आमजनों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने संबंधी आवेदन पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बैसला के उक्त क्लीनिक पर टीम भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मनासा के राहुल, रतनगढ़ के चांदमल चारण, भादवामाता के मोनु रेगर, इमलीबाग उषागंज कालोनी मनासा के नसीम बी, गणेशपुरा की गीताबाई, भाटखेडी की पुजा बंजारा, डायली की इंद्राबाई, पालराखेडा के अमृत नागदा, आमलीचक की मुन्नाबाई, जवासा की मायाबाई, मनासा की भागवंतीबाई, बघाना के दिनेश, अम्बेडकर कॉलोनी नीमच की शांतिबाई, फुलपुरा के सुरेशचंद्र शर्मा, आमली चक की कालीबाई, धामनिया के बादल सालवी, मनासा के राधेश्याम,दारू के जमनालाल, ने भी जनसुनवाई में अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण कर की गई कार्यवाही से अवगत कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है।

ग्राम लिम्बावास में सहकारी संस्था बूढ़ा की शासकीय जमीन पर कब्जा कर बनाया जा रहा आवास-प्रबंधक राहुल नागदा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्था बूढ़ा के संस्था प्रबंधक राहुल नागदा ने बताया कि शासन प्रशासन द्वारा निरन्तर शासकीय जमीनों को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है, लेकिन प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्था मर्यादित बूढ़ा के ग्राम लिम्बावास खाद्य गोदाम पर जो शासकीय जमीन संस्था के अधीनस्थ एवं सहकारी संस्था की जमीन है, जिस पर ग्राम पंचायत के द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया एवं हितग्राही के द्वारा सहकारी संस्था बूढ़ा के समस्त कर्मचारियों की न सुनते हुए अवैध रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान का निर्माण किया गया एवं मकान निर्माण के बाद संस्था की जमीन को निरन्तर नुकसान पहुंचाते हुए शोचालय का भी निर्माण किया जा रहा है संस्था कर्मचारियों के द्वारा अतिक्रमण स्थल पर पहुंचकर अतिक्रमण रूकवाना चाहा।

लेकिन हितग्राही के द्वारा अपनी मनमानी करते हुए गहरा गढ्ढा खोदकर शोचालय का निर्माण किया जा रहा है। आखिरकार हर आम जनता के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि सहकारी संस्थाओं की जमीन पर भी अतिक्रमणकारी अपना कब्जा काबिज करेंगे तो फिर आमजनता की सुनवाई कैसे होगी। सहकारी संस्था कर्मचारियों के द्वारा संस्था की जमीन के प्रमाणीकरण के साथ अपने उच्च अधिकारियों को एवं प्रशासन को अवगत कराया है लेकिन फिर भी अतिक्रमणकारियों द्वारा निरन्तर अपना अवैध निर्माण संचालित किया जा रहा है। इस अतिक्रमण के कारण सहकारी संस्था शासकीय उचित मूल्य की दुकान लिम्बावास पर राशन लेने के लिए आने वाले हितग्राहियों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि अतिक्रमण के कारण आम जनता को निरन्तर परेशानी का शिकार होने पर मजबूर होना पड़ेगा। इसी जमीन पर शासकीय हेण्डपंप भी है जिसको भी अतिक्रमणकारी के द्वारा अपने अवैध निर्माण के पीछे दबाया गया।

गांव की जनता को पीने के पानी के लिए भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। सहकारी संस्था लिम्बावास के खाद्य गोदाम पर एवं राशन के गोदाम पर इस अवैध निर्माण के कारण राशन की गाड़ी एवं खाद्य की गाड़ी शासकीय गोदाम तक ही नहीं पहुंच पाएगी तो कैसे सहकारी संस्था की सेवा को संचालित किया जाएगा। प्राथमिक कृशि सहकारी साख संस्था बूढ़ा के समस्त कर्मचारियों के द्वारा अपने उच्च अधिकारियों एवं जिला प्रशासन से मांग की गई है कि जल्द से जल्द शासकीय जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को हटाया जाए आखिरकार किस प्रकार सहकारी संस्था की जमीन पर प्रधानमंत्री आवास के तहत राशि स्वीकृत हुई मकान बनाने के लिए यह सबसे बड़ा विचारणीय प्रश्न उठता है। संस्था कर्मचारी एवं अधिकारी के द्वारा ग्राम पंचायत लिम्बावास को भी अवगत कराया गया। समस्त जानकारी संस्था प्रबंधक राहुल नागदा प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्था बूढ़ा के द्वारा दी गई।

जन-सुनवाई में कलेक्टर व एसपी को कराया अवगत, न्यायालय आदेश के आठ वर्ष बाद भी अतिक्रमण पर नहीं हुई कोई कार्यवाही- विजय गुर्जर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर्ष विलास के पीछे कर्मचारी कालोनी के पास स्थित शासकीय भूमि सर्वे कमांक 317 पर अवैध रूप से निवास कर रहे अज्ञात असामाजिक लोगो काअतिक्रमण हटाकर क्षेत्र के नागरिको को राहत पहुंचाने की मांग पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने जनसुनवाई में जिला कलेक्टर अदिति गर्ग और पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना से करी है।

उपरोक्त मांग करते हुवे विजय गुर्जर ने बताया कि तहसील न्यायालय प्रकरण क्रंमाक 165/अ-68/2017-18 दिनाक17.04.2018 द्वारा नजूल भूमि सर्वे न 317 पर अवैध अतिक्रमण हटाने का आदेश वर्ष 2018 में किया गया था। इस आदेश को लगभग 8 वर्ष बीत गए है। न्यायालय तहसील जिला मन्दसौर द्वारा इन अवैध कब्जाधारीयों को हटाने का निर्णय लिया गया था, जिस पर कार्यवाही नही होने के परीणाम स्वरूप इनके द्वारा लगातार अवैध विद्युत चोरी करके लगातार अवैध कार्य किये जा रहे है। जिसकी शिकायत पूर्व से लगातार शासन प्रशासन को की जा रही है। प्रशासन द्वारा 15 फरवरी 2026 को उक्त अवैध बस्ती में छापामार कार्यवाही करके इन अवैध झोपडियों में नकली घी, नकली शहद और अन्य अनैतिक एवं अवैध कार्यो पर कार्यवाही करते हुए कई लोगो को गिरप्तार भी किया है। इस बस्ती में निवासरत कई लोग मुबई सहित अन्य शहरो में भी अवैध कार्य करते हुये पूर्व में गिरफ्तार हो चुके है। इन अवैध रूप से निवासरत लोगो के अवैध कार्यो की वजह से स्थानीय रहवासियों का जीना दुश्वार हो गया है। यह लोग आये दिन आस पास के निवासियों को जान से मारने की धमकियां भी लगातार देते है, जिससे भविष्य में बडी जनहानि स्थानीय रहवासी की हत्या इनके द्वारा किये जाने की पूर्ण संभावना है। इनके द्वारा खुले रूप से तार डालकर विद्युत चोरी करके अवैध घी की फेक्ट्री का संचालन भी लगातार किया जा रहा है। आगे विजय गुर्जर ने बताया की पूर्व में भी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग, अनुविभागीय अधिकारी तहसीलदार को इस अतिक्रमण हटाने के आदेश के मामले से अवगत कराया था और मांग भी लगातार की जा रही हैं। मगर तहसील न्यायालय के आदेश पर कार्यवाही नहीं होने के परिणाम स्वरूप अवैध बस्ती अपराध का गढ़ बन गया है। परिणाम स्वरूप अवैध गतिविधियां दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और अभी भी समय रहते प्रशासन ने कार्यवाही नहीं करी तो कालाखेत के साठीयो से भी बड़ी मुसीबत और समस्या मंदसौर शहर के लिए बन सकते हैं। अंत में विजय गुर्जर ने जिला कलेक्टर अदिति गर्ग पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना से मांग करी है कि इन असामाजिक तत्वों के कारण स्थानीय रहवासीयो में भय का वातावरण है। साथ ही रहवासियों के मन मे जान मान की सुरक्षा को लेकर पूर्ण रूप से भय व्याप्त है। इसलिये इन असामाजिक तत्वो को हटा कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्यवाही शीघ्र से शीघ्र की जाय।

सीएमओ सुमन का पहला निरीक्षण, नपा कार्यालय की सभी शाखाओं को परखा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रेम कुमार सुमन ने कल नगर पालिका कार्यालय भवन में संचालित होने वाली विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुमन ने नगर पालिका के प्रभारी कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया के साथ नगरपालिका की सभी शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों को कहा कि आपके यहां कोई फाइल पेंडिंग नहीं रहे। सभी कार्य समय सीमा में हो आम जनता जो आपके पास आती है, उनके साथ आपका व्यवहार अच्छा रहे। लोगों को अनावश्यक रूप से अपने काम के लिए चक्कर नहीं लगाना पड़े, ऐसा प्रयास करें नपाध्यक्ष श्रीमति गुर्जर एवं नगर पालिका परिषद की जो भावना है उसके अनुरूप काम हो। निरीक्षण के अवसर पर भोजन अवकाश के निर्धारित समय के बाद अनुपस्थित मिले दो कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र नोटिस देने के भी निर्देश सीएमओ के द्वारा दिए गए।

अवैध व्हाइट एलईडी हेडलाइट्स पर सख्ती की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मंदसौर सहित देशभर में सड़कों पर चल रहे चार पहिया वाहनों एवं बड़े वाहनों में अवैध रूप से लगाई जा रही अत्यधिक तीव्र व्हाइट एलईडी हेडलाइट्स को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन द्वारा इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सख्त कार्यवाही की मांग की गई है।

संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में वाहन चालकों द्वारा नियम विरुद्ध हाई-पावर एलईडी लाइटों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सामने से आने वाले वाहन चालकों को सड़क स्पष्ट दिखाई नहीं देती। तीव्र प्रकाश के कारण ÷ग्लेयर इफेक्ट÷ उत्पन्न होता है, जिससे क्षणिक अंधापन की स्थिति बनती है और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषकर रात्रि के समय दोपहिया वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यह स्थिति मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 तथा केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के प्रावधानों का उल्लंघन है। वाहन के मूल स्वरूप में परिवर्तन कर मानक से अधिक तीव्र प्रकाश वाली लाइटें लगाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने केंद्रीय मंत्री से मांग की है कि– जिले व देशभर में विशेष सघन जांच अभियान चलाया जाए। नियम विरुद्ध एलईडी लाइट लगाने वाले वाहन चालकों पर चालानी एवं दंडात्मक कार्यवाही की जाए। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाए। ऑटो पार्ट्स दुकानों पर अवैध लाइटों की बिक्री पर रोक लगाई जाए। सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। संगठन ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा सीधे तौर पर आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा है और यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि होना तय है। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने प्रशासन से शीघ्र एवं कठोर कदम उठाने की अपेक्षा व्यक्त की है, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और आमजन को राहत मिल सके। इस अवसर ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा, जिलाध्यक्ष विजय कोठारी, जिला विधि आयाम प्रमुख उमराव सिंह जैन, जिला प्रचार प्रमुख रंजीत जायसवाल सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीएमएचओ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण किया दस्तक अभियान सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग की

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले में दस्तक अभियान का आयोजन 17 फरवरी से 22 मार्च तक किया जा रहा है । अभियान के दौरान 9 माह से 5 वर्ष आयु के बच्चों को विटामिन ए का घोल एवं आयरन फोलिक एसिड का अनुपुरण दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे व प्रभारी सी पी एच सी सलाहकार लोकेश वैष्णव द्वारा शहरी क्षेत्र रतलाम में संजीवनी क्लीनिक रामगढ़, रतलाम ग्रामीण के आयुष्मान आरोग्य मंदिर -कनेरी एवं टीकाकरण सत्र स्थल-मथुरी का निरीक्षण किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर कनेरी पर भवन पूर्ण होने पर लाइट कनेक्शन पूर्ण कर शीघ्र ही इसे चालू करने के निर्देश ब्लाक मेडिकल आफिसर को दिए गए। रामगढ़ संजीवनी में डॉ स्वलेहा खान से जांच व उपचार संबंधी जानकारी ली । एएनएम लाड़ कुंवर से टीकाकरण संबंधित लॉजिस्टिक व समस्त रिकार्ड देखा गया । एएनएम व आशा कार्यकर्ता को निर्धारित गणवेश में रहने हेतु निर्देशित किया गया। केंद्र पर गर्भवती जांच संबंधी लॉजिस्टिक हिमोग्लोबीनोमीटर , यूरिन एल्ब्यूमिन कीट, वेट मशीन चाइल्ड, परीक्षण टेबल , साइड स्क्रीन उपलब्ध करा कर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए गए । जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निष्पादन नियम अनुसार करने के लिए निर्देशित किया गया।

टीकाकरण स्थल मथुरी में भी निरीक्षण में एएनएम सीमा सिलावट को बीपी इंस्ट्रूमेंट , स्टेथोस्कोप , डिजिटल थर्मामीटर , हिमोग्लोबीनोमीटर , यूरिन एल्ब्यूमिन कीट , गर्भवती महिलाओं की हाई रिस्क सूची , एंट्री करने वाला टैबलेट , फीटल डाप्लर , इंफेटोमीटर, ओ जी टी टी हेतु प्लास्टिक ग्लास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती बबीता से दस्तक अभियान अंतर्गत सैम व मेम बच्चों की जानकारी मांगी जिस पर उनके द्वारा 11 बच्चे मैम में होना बताया गया। सी एम एच ओ ने ए एन एम द्वारा टीकाकरण के निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने पर दोनों स्थानों की एएनएम व आशा कार्यकर्ता को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

नीमच जिले में 84 ग्राम, क्षीरधारा ग्राम योजना में शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास, कृषि एवं वन विभाग की अंर्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षीर धारा ग्रामों के चयन एवं उनके विकास से संबंध में चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, डीएफओ श्री एस.के.अटोदे, एसडीओ फारेस्ट श्री दशरथ अखण्ड, उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार एवं समिति के सदस्य तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार ने पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से क्षीरधारा ग्राम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने योजना का उद्देश्य, योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न विभागों की भूमिका, पशुपालन विभाग की भूमिका एवं किए जाने वाले कार्य, जिलें में चयनित ग्रामों की संख्या, वन क्षेत्रों से लगे ग्रामों को क्षीरधारा ग्राम का रूप में चयन करने एवं उनमें किए जाने वाले कार्य आदि के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में बताया गया, कि जिले में प्रथम चरण में जिले की 74 ग्राम पंचायतों में 84 गांवों को क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत चयनित किया गया है। कलेक्टर ने वनक्षेत्र से लगे अधिकाधिक गांवों को क्षीरधारा ग्राम के रूप में चयनित करने, तीनों विकासखण्ड के 3-3 वन क्षेत्र में लगे गांवों को क्षीरधारा ग्राम योजना में शामिल करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

राष्ट्र सुरक्षा का नवदर्शनः अब प्रतिक्रिया नहीं, पूर्वप्रहार

भारत ने 23 फरवरी 2026 को अपनी पहली व्यापक राष्टीय आतंकवाद-रोधी नीति प्रहार के शुभारंभ के साथ सुरक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आठ पृष्ठों वाले इस नीति दस्तावेज में केवल दशकों से चले आ रहे आतंकवाद विरोधी प्रयासों का औपचारिकीकरण नहीं किया गया है, बल्कि भविष्य में उभरते खतरों–जैसे साइबर हमले, ड्रोन का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए वित्त पोषण, और डार्क वेब पर रेडिकलाइजेशन–से निपटने के लिए ठोस और निर्णायक रणनीतियाँ भी प्रस्तुत की गई हैं। नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतंकवाद का न तो कोई धर्म है, न कोई जाति, न कोई राष्टीयता और न ही कोई सभ्यता। यह एक कृत्य है, जिसे किसी भी वैचारिक या धार्मिक औचित्य के साथ सही नहीं ठहराया जा सकता।

केंद्र सरकार की यह नीति सामाजिक सद्भाव को बनाये रखते हुए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली दूरदर्शिता का प्रतीक है। प्रहार शब्द का चयन स्वयं सरकार की अडिग इच्छाशक्ति और सक्रिय रणनीति की अभिव्यक्ति है। यह नीति केवल रक्षात्मक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रोएक्टिव और खुफ़िया-आधारित अभियान संचालित करने की दिशा में स्पष्ट संकेत देती है। यह नीति सात अडिग स्तंभों की उस संगठित शक्ति पर खड़ी है, जिन्हें PRAHAAR के अक्षरों में इस तरह संहिताबद्ध किया गया है कि हर अक्षर स्वयं एक रणनीतिक संकल्प बन जाता है।

इनमें पहला है प्रिवेंशन–आतंकवादी हमलों की पूर्वानुमानित रोकथाम, जो पूरी तरह से खुफ़िया जानकारी और विश्लेषण पर आधारित होगी। दूसरा स्तंभ है रिस्पॉन्स–तेज़, संतुलित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की क्षमता। तीसरा स्तंभ है एग्रीगेटिंग कैपेसिटीज़–सरकारी आंतरिक क्षमताओं का समन्वय और एकीकृत उपयोग। चौथा है ह्यूमन राइट्स और रूल ऑफ़ लॉ–सभी ऑपरेशंस में मानवाधिकारों और कानूनी ढांचे का कड़ाई से पालन।

पांचवां स्तंभ है अटेन्यूएटिंग कंडीशन्स–वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ जिन्हें कम करके रेडिकलाइजेशन और आतंकवाद के बीजारोपण को रोका जा सके। छठा स्तंभ है अलाइनिंग इंटरनेशनल एफर्ट्स–वैश्विक सहयोग और साझेदारी के माध्यम से आतंकवादियों को वित्तीय संसाधनों, हथियारों की आपूर्ति और सुरक्षित पनाहगाहों से वंचित करना। यह अंतरराष्टीय स्तर पर समन्वित कार्रवाई और कूटनीतिक सक्रियता का स्पष्ट संकेत देता है। सातवां स्तंभ है रिकवरी और रिज़िलियंस–आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित पीड़ितों की समुचित सहायता, समाज की सामूहिक मानसिक और सामाजिक मजबूती, तथा पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

ये सातों स्तंभ सामूहिक रूप से भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को एक व्यवस्थित, समग्र और बहुआयामी ढांचा प्रदान करते हैं। यह केवल सिद्धांतों का संकलन नहीं, बल्कि एक सुसंगठित और क्रियान्वयन-केन्द्रित रणनीति का आधार है। पारंपरिक और सीमित रिएक्टिव सोच की परिधि से बाहर निकलते हुए यह नीति अब प्रिवेंटिव, प्रोएक्टिव और फ्यूचर-प्रूफ दृष्टिकोण को आत्मसात करती है, जो बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुरक्षा प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

जहाँ पहले आतंकवाद को मुख्यतः सीमा-पार गतिविधियों तक सीमित समझा जाता था, वहीं 'प्रहार' अब जल, थल और आकाश–तीनों आयामों में उभरते खतरों की व्यापक पहचान करता है। यह नीति सुरक्षा की पारंपरिक परिभाषा से आगे बढ़कर बहु-स्तरीय और सर्वांगीण दृष्टिकोण अपनाती है। इसमें बिजली, रेलवे, एविएशन, पोर्ट्स, डिफेंस, स्पेस और एटॉमिक एनर्जी जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक एवं सामरिक क्षेत्रों के लिए मल्टी-लेयर सुरक्षा प्रावधानों को सुदृढ़ रूप से शामिल किया गया है, ताकि राष्टीय अवसंरचना किसी भी प्रकार की आतंकी या विघटनकारी गतिविधि से सुरक्षित रह सके। साइबर और ड्रोन युग में, जब दुश्मन अदृश्य, डिजिटल और तकनीकी रूप से अत्याधुनिक हो चुका है, सरकार ने क्रिमिनल हैकर्स, नेशन-स्टेट एक्टर्स, डार्क वेब नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाली फंडिंग तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर कठोर और निर्णायक कार्रवाई का स्पष्ट संकल्प व्यक्त किया है।

'प्रहार' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसका समावेशी और सहभागी दृष्टिकोण है। यह नीति आतंकवाद को केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं मानती, बल्कि पूरे समाज को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है। स्कूल, कॉलेज, मीडिया संस्थान, सामुदायिक नेतृत्व और जागरूक नागरिक–सभी को रेडिकलाइजेशन की रोकथाम और सामाजिक समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। नीति में स्पष्ट किया गया है कि अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, किंतु किसी भी समुदाय को सामूहिक रूप से दोषी ठहराने की प्रवृत्ति को स्थान नहीं दिया जाएगा। यह संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण सुरक्षा की कठोरता तथा सामाजिक सौहार्द–दोनों के बीच सार्थक सामंजस्य स्थापित करता है।

व्यक्तित्व में त्रिगुणों (सत-रज-तम) को संतुलित करता है सहजयोग

हमारा सामान्य गृहस्थ जीवन यापन करते समय हम देखते हैं कि सारा संसार त्रिगुणों से आवृत्त है। ये तीन गुण सत्व, रज और तम हैं। पंच महाभूतों से बने हुए हमारे शरीर में ये तीन गुण अपना खेल खेलते रहते हैं। जब हमें प्रसन्नता और आनंद होता है, तब हम सभी के अंदर के अच्छे गुणों की ओर आकृष्ट होते हैं, हमें लगता है कि हम भी जीवन में कुछ अच्छा बनें, हमारे साथ-साथ अपने माता-पिता और समाज का भी कल्याण करें। हमारे जीवन की जो भी समस्याएं हैं उन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने की पूरी शक्ति हमारे अंदर से आती है। अगर ऐसा व्यक्तित्व आपके अंदर है तो समझ जाइए आप सतोगुण से आवृत्त है। इसके सिवा जो रजोगुणी व्यक्तित्व होते हैं वे अति- महत्वकांक्षी होते हैं, और दूसरों को नीचा दिखाना, किसी से बुरी तरह बात करना, ये सभी रजोगुणी व्यक्तित्व के लक्षण हैं। तमोगुणी व्यक्ति सदैव भूतकाल की पिछली बातों के बारे में सोचता रहता है। कोई भी व्यक्ति जो उदासीन है, उसे तमोगुणी कहा जाएगा। प. पू श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक ऐसी ध्यान प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से आप जान जाते हैं कि आप कौन से गुणों से आवृत्त हैं। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो तमो गुणी साधक जो इड़ा-नाड़ी प्रधान है वो अपनी इड़ा नाड़ी को नियमित ध्यान और पंच भौतिक उपचार जैसे की अग्नि तत्व का उपचार कर स्वयं को मध्य में अर्थात सतोगुण की द्योतक सुषुम्ना पर स्थित कर सकता है, वैसे ही रजोगुणी व्यक्ति भी जान जाता है कि सूर्य नाड़ी को जल पैर प्रक्रिया और आईस पैक जैसे नैसर्गिक उपचार कर संतुलित कैसे किया जाय। हम सभी जीवन में अनेक दुःखों का सामना कर रहे हैं, इसका कारण है अज्ञान, हमारे आत्मस्वरूप का अज्ञान। आत्मसाक्षात्कार हमें आत्मपरीक्षण कर आध्यात्म की राह दिखाता है, इसे वह प्रत्येक व्यक्ति पा सकता है जो सत्य के प्रति जिज्ञासु है। सहजयोग ध्यान में श्री माताजी के समक्ष आप स्वयं आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर संतुलन को तो प्राप्त करते ही हैं साथ ही नियमित अभ्यास द्वारा अन्य लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान करने योग्य भी बन जाते हैं। आत्म परीक्षण द्वारा स्वयं को संतुलित करने का ज्ञान हमें स्वयं का गुरु होने की शक्ति प्रदान करता है। सहजयोग अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करने की सनातन ऋषि परंपरा की ध्यान आधारित वैज्ञानिक पद्धति है। ध्यान न तो किसी शारीरिक सक्रियता से संभव है न ही निष्क्रियता से। ध्यान सजग निर्विचार चेतना है जो अत्यंत शक्तिशाली है।

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति शृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्टीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्टीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

-ललित गर्ग

विज्ञान ब्रह्मांड में जीवन निर्माण और विनाश की प्रक्रिया का वृहद ज्ञान भंडार

सर सीवी रमन सहित अन्य वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का सम्मान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष राष्टीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है । वैज्ञानिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए? अनुमोदन मिलने पर, राष्टीय विज्ञान दिवस पूरे भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में विज्ञान दिवस मनाया जाता है। सबसे पहले 28 फरवरी 1987 को पहले राष्टीय विज्ञान दिवस के बाद, राष्टीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद द्वारा राष्टीय विज्ञान लोकप्रियकरण पुरस्कारों की घोषणा की गई, जिसने व्यक्तियों को विज्ञान और संचार के क्षेत्र उनके योगदान के लिए मान्यता दी।

राष्टीय विज्ञान दिवस को विज्ञान के महत्व के बारे में संदेश फैलाने और यह आम लोगों के दैनिक जीवन को कैसे बेहतर बनाता है , इस उद्देश्य से मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त इसे मनाने के निम्नलिखित उद्देश्य भी ध्यान में रखे गए हैं। 1. विज्ञान के क्षेत्र में सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करें 2. विज्ञान में रुचि रखने वाले भारत के नागरिकों के लिए अवसर प्रदान करना 3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

सरल रूप में देखा जाए तो विज्ञान ब्रह्मांड में जीवन, निर्माण और विनाश की प्रक्रिया को समझने के लिए कुछ सैद्धांतिक या प्रेक्टिकल प्रणालियों का उपयोग कर हमारी दुनिया का अध्ययन है। जहां तक देखा जाए तो विज्ञान के क्षेत्र में भारत का एक समृद्ध इतिहास रहा है।जहां कई दिग्गजों ने देश को गौरवान्वित किया है। वही सीवी रमन विज्ञान के क्षेत्र के ऐसे ही एक दिग्गज हैं। इन्ही वैज्ञानिक के संस्मरण में राष्टीय विज्ञान दिवस भारत में 28 फरवरी को मनाया जाता है। यही वह दिन है जब देश के महान वैज्ञानिक सीवी रमन ने रमन प्रभाव का आविष्कार किया था।

वैज्ञानिक सीवी रमन ने 28 फरवरी 1928 को रमन इफेक्ट की खोज की थी। उन्होंने साबित किया था कि अगर कोई प्रकाश किसी पारदर्शी वस्तु के बीच से गुजरता है, तो प्रकाश का कुछ हिस्सा विक्षेपित होता है। जिसकी वेव लेंथ में बदलाव होता है। इस खोज को रमन इफेक्ट नाम दिया गया।सीवी रमन को उनके अविष्कार रमन इफेक्ट के लिए साल 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सीवी रमन नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले एशियाई नागरिक थे। सीवी रमन को साल 1954 में भारत रत्न से भी नवाजा गया था। लोगों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और समाज में विज्ञान के प्रति जागरुकता लाने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ही हर साल राष्टीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह मानव जाति की प्रगति के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण और खोज के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह भारतीय नागरिकों को भौतिक दुनिया को प्रभावित करने वाली घटनाओं का अध्ययन करने और समझने के लिए प्रोत्साहित करता है।

-धनंजय राजौरा

साहित्य का सत्य, समाज की नैतिक चिंता है

साहित्यिक रचनाएं सभी जगह एक और साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना हैद्य शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस में संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती हैद्य राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैद्य यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को ÷जीवन की आलोचना÷ भी कहा है।

साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि ÷जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए÷, वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।

-संजीव ठाकुर

सेवा, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन के द्योतक

प्रतिवर्ष 27 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व एनजीओ दिवस विश्वभर में गैर-सरकारी संगठनों के योगदान को मान्यता देने और उनकी भूमिका पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। आज के समय में जब शासन-व्यवस्था जटिल होती जा रही है और सामाजिक चुनौतियाँ बहुआयामी रूप ले चुकी हैं, तब एनजीओ लोकतंत्र की एक सशक्त सहायक शक्ति के रूप में उभरे हैं। भारत में सेवा और लोककल्याण की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। 'दान', 'सेवा' और 'परमार्थ' की भावना हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में रची-बसी है। आधुनिक अर्थों में एनजीओ भले ही स्वतंत्रता-उत्तर काल में संगठित रूप से विकसित हुए हों, किंतु उनके बीज समाज-सुधार आंदोलनों में पहले से विद्यमान थे। स्वाधीनता संग्राम के दौरान सामाजिक जागरण की धारा को दिशा देने वाले संगठनों और महापुरुषों जैसे महात्मा गांधी ने सेवा और स्वावलंबन की जो चेतना जगाई, वही आज के अनेक स्वैच्छिक संगठनों की प्रेरणा है।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

दूर किए जाएं माओवाद के उभार के कारण

कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (माओवादी) अब बिखरने की कगार पर है। यह संगठन 2012 से ही दंडकारण्य में लगातार कमजोर हो रहा था, लेकिन कुछ समय पहले उसे तगड़ा झटका लगा। अपनी कार्यनीति में बदलाव कर अगस्त 2024 से माओवादियों ने अपने आप को बचाने का प्रयास किया, परंतु वे सफल नहीं हो सके। जैसे-जैसे सुरक्षा बलों ने उनके इलाकों में सुरक्षा कैंप बढ़ाने शुरू किए, वैसे-वैसे माओवादियों को आश्रय लेने एवं विचरण करने वाले स्थलों को छोड़ना पड़ा।

मई 2025 में माओवादी पार्टी के महासचिव बसवराजू के मारे जाने और अक्टूबर 2025 में पोलित ब्यूरो सदस्य वेणुगोपाल उर्फ सोनू एवं केंद्रीय कमेटी सदस्य रूपेश द्वारा करीब 260 साथियों के साथ समर्पण करने के बाद संगठन लगभग बिखर गया। इनमें उत्तर बस्तर, पूर्व बस्तर, गढ़चिरौली और अबूझमाड़ के माओवादी थे। उनके समर्थन में गरियाबंद-धमतरी के माओवादियों ने भी आत्मसमर्पण कर दिया और दिसंबर में महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोन के प्रभारी रामदेर और सचिव कबीर ने भी अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया।

लंबे समय तक मिलिट्री बटालियन का कमांडर रहा हिड़मा माडवी आंध्र में एक मुठभेड़ में मारा गया। अभी गत दिवस केंद्रीय कमेटी के देवजी और संग्राम ने भी आत्मसमर्पण कर दिया। माओवादियों की खस्ता हालत देखकर लगता नहीं कि सशस्त्र आंदोलन के पुनर्जीवित होने के कोई आसार हैं। इसलिए जरूरी है कि जहां आंदोलन खत्म हो गया या दक्षिण-पश्चिम बस्तर जहां आंदोलन काफी कमजोर है, वहां सरकार को उस खालीपन को विकास से भरने की जरूरत है, जहां माओवादी विकास में अवरोध बने हुए थे।

केंद्र और राज्य की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास की नीतियों के तहत राज्य सरकारें आत्मसमर्पित माओवादियों को आवश्यक लाभ देकर उनके पुनर्वास की कार्रवाई कर रही है। सरकार की नीतियों में विश्वास कायम रखने के लिए यह जरूरी भी है, परंतु यह भी आवश्यक है कि उन सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर किया जाए, जिनके कारण माओवादियों ने ग्रामीणों को अपने पक्ष में कर लिया था। इनमें से सबसे जरूरी है दूरस्थ इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता।

बस्तर क्षेत्र में बहुत से आदिवासी आयरन की कमी ग्रस्त हैं और उन्हें समय पर दवाई नहीं मिल पाती। उन्हें पीने का साफ पानी भी नहीं मिलता। इसलिए जरूरी है कि ग्रामीणों के बीच मोबाइल एंबुलेंस चला कर दवाइयों का वितरण किया जाए। चूंकि अंदरूनी इलाकों में कई सुरक्षा कैंप स्थापित हैं, इसलिए प्रारंभ में इन कैंपों से ही स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जाएं।

माओवादियों ने प्रभावित इलाकों में कई तालाब और कुएं खोदे और जमीनों का समतलीकरण कर उन्हें खेती लायक बनाने में आदिवासियों की सहायता की। इससे उन्हें काफी फायदा मिला, क्योंकि उनकी कथित जनताना सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों का भला करना नहीं, बल्कि उन्हें युद्ध के लिए तैयार करना था। यही उद्देश्य सभी माओवादी गुटों का भी था, चाहे वह दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ हो, क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन हो या चेतना नाट्यमंच। अब शासन का कर्तव्य बन जाता है कि वह ग्रामीणों को अच्छे बीज उपलब्ध कराए और सिंचाई के साधनों में सुधार करे, ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त फसल मिल सके। तमाम आदिवासी वन-उपज पर निर्भर हैं। शासन ने तेंदूपत्ता और कई वन उपज के न्यूनतम मूल्य में वृद्धि की है, परंतु इमली, चिरौंजी और महुआ जैसी उपज के लिए बाजार उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

तीसरा महत्वपूर्ण कार्य शिक्षा के संबंध में है। माओवादियों ने कई जगहों पर क्रांतिकारी जनताना सरकार स्कूल खोलकर ग्रामीण बच्चों को वामपंथी शिक्षा दी और उन्हें शासन के विरोध में खड़ा किया और शासकीय मशीनरी के प्रति घृणा के बीज बोए। इसलिए जरूरी है कि सरकार अंदरूनी इलाकों में अधिक से अधिक आश्रम एवं स्कूल खोले, छात्रों में रोपे गए विचार बदले, ताकि वे नियमित पढ़ाई कर रोजगार के अवसर तलाश सकें। बस्तर अंचल में जो भी विकास हो, वह वहां के ग्रामीणों को केंद्र रखकर होना चाहिए। चूंकि आदिवासी जंगलों पर निर्भर रहते हैं और उनकी सुरक्षा करते हैं, इसलिए विकास से पर्यावरण को कोई नुकसान न हो, यह भी सुनिश्चित करना होगा। कई ग्रामीण महिलाओं ने माओवादी संगठन इसलिए ज्वाइन किया, क्योंकि वे जबरन शादी से बचना चाहती थीं। कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में 'पुतुल' परंपरा के तहत समान्यतः लड़की की शादी मामा के लड़के से बचपन में तय कर दी जाती है। लड़की के युवा होने पर यदि शादी से मना किया जाता है तो उससे जबरदस्ती की जाती है। इसीलिए मर्जी से शादी करने के लिए बड़े बुजुर्गों के माध्यम से जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

अधिकांश पुरुष माओवादियों की नसबंदी कर दी गई थी। हालांकि मेडिकल प्रोसिजर से इसे ठीक (रिवर्स) करना संभव है एवं किया भी जा रहा है, परंतु इसी के साथ टेस्ट-ट्यूब बेबी के लिए भी प्रोत्साहन देना चाहिए। यह पुनर्वास नीति का ही एक अंग बने। कई आत्मसमर्पित माओवादी कुक थे या मशीनों पर काम करना जानते थे। उन्हें ऐसे पेशों में समाहित करना बेहतर होगा, जिसका उन्हें अनुभव है। कुल मिलाकर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति को यदि कस्टमाइज करने की आवश्यकता हो तो किया जाए, ताकि आत्मसमर्पित माओवादियों का पुनर्वास बेहतर तरीके से हो सके। कई बड़े आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। कुछ समय तक उनके आचरण को देखते हुए उनके पुनर्वास पर भी ध्यान देना होगा।

केंद्र सरकार ने 31 मार्च तक माओवाद के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है, जो अधिक दूर नहीं है। निःसंदेह माओवादी काफी कमजोर पड़े हैं। अब सात जिले ही माओवाद से प्रभावित बचे हैं। यदि 31 मार्च के बाद कुछ माओवादी बच भी जाते हैं तो भी शासन का पलड़ा भारी है। हो सकता है 31 मार्च तक कुछ इलाकों में छिटपुट लड़ाई जारी रहे, पर यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विकास के कार्यों में कोई विलंब न हो।

-सुनील कुमार महला

कलेक्टर ने कृषि उपज मंडी देवास में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का शुभारम्भ किया

मेले में किसानों को कृषि आदान, उन्नत बीज, खाद, दवाई, नवीनतम कृषि उपकरण, उन्नत सिंचाई साधन की जानकारी दी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले के किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी देने, खेती में लगने वाले कृषि आदान, उन्नत बीज, खाद, दवाई एवं नवीनतम कृषि उपकरण, उन्नत सिंचाई के साधन की जानकारी एक ही स्थान पर दिलाने के उद्देश्य से मिलेट मिशन एवं राष्ट्रीय तिलहन मिशन ऑन इडिबल आइल योजनान्तर्गत कृषि उपज मंडी देवास में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का शुभारम्भ कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने मंगलवार को किया। कलेक्टर सिंह ने जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले में नवीनतम कृषि उपकरण, उर्वरक, कीटनाशक, खाद, बीज, उन्नत सिंचाई के साधन एवं कृषि विज्ञान मेले में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी के लिए प्रदर्शनी का अवोलकन किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया, भैरूलाल अटारिया, बहादूर सिंह राजपूत, संयुक्त संचालक कृषि उज्जैन उम्मेद सिंह तोमर, उप संचालक कृषि गोपेश पाठक, उप संचालक उद्यानिकी राजू बडवाया, कृषि विज्ञान केन्द्र से वैज्ञानिक डॉ महेन्द्र सिंह, मण्डी सचिव अरविन्द परिहार, आत्मा से एमएल सोलंकी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में हम यह वर्ष किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे है, जिसके तहत हम किसानों का नवीन पद्धति से कृषि करना, फसल विविधिकरण आदि के माध्यम से किस प्रकार उन्नत कृषि कर सकते है, इसके लिए शासन द्वारा किसानों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी खेती से हम तत्काल लाभ ले सकते हैं, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है तो हम उम्मीद करते है कि अन्नदाता रासायनिक मुक्त अनाज उत्पादित करें। आज लगातार रासायनिक खाद का उपयोग कर मृदा की उर्वकता समाप्त की जा रही है। जिसे हम फसल विविधिकरण के माध्यम से कम कर सकते है। बाजार में पारम्परिक फसलों के अलावा बहुत से अनाज, फल, सब्जी, मसाले भी उपलब्ध है, जो कि हम दूसरे स्थानों से आयात करते है। जिले के किसान भी इन फसलों लगाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

कलेक्टर सिंह ने जिले के किसानों से आग्रह किया कि हमें मूंग से उड़द में शिफ्ट होना चाहिए। इसके लिये शासन द्वारा 600 रूपये प्रति क्विंटल बोनस के रूप में दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसान भाई फसल कटाई उपरांत नरवाई नहीं जलाये। नरवाई प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण उपलब्ध है। किसान उनका उपयोग कर नरवाई प्रबंध कर सकते है। उन्होंने कहा कि ई-टोकन के माध्यम से जिले में किसानों को खाद वितरण किया जा रहा है। जिले के किसान ऐग्री स्टैक शीघ्र बनवालें, जिससे उन्हें सुगमता से खाद मिल सकें। उन्होंने कहा कि मण्डी प्रागंण में शीघ्र ही ग्रैडिंग एवं सोर्टिंग मशीन लगने वाली है। जिसके माध्यम से किसान अपनी फसल साफ कर उचित दाम पर क्रय कर सकेगा। कलेक्टर सिंह ने कृषक सूर्य मित्र योजना की जानकारी देते हुए बताया कि योजना अंतर्गत किसानों को सोलर पम्प लगवाने पर 90 प्रतिशत का अनुदान सरकार द्वारा दिया जाता है। जिले के अधिक से अधिक किसान इस योजना का लाभ लें।

मेले में नई तकनीकों के खेती कर रहे किसानों ने अपना अनुभव साझा किया कि किस प्रकार वे द्वारा किस प्रकार वे नई तकनीकों से फसल का उत्पादन कर अच्छी आय अर्जिक कर रहे है। इस दौरान कलेक्टर सिंह ने ई-कृषि यंत्र योजना अनुदान अंतर्गत ई-कृषि यंत्र खरीदने वाले किसानों को अनुदान प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने जिला जेल देवास में लाइब्रेरी का उद्घाटन किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र ने मंगलवार को जिला जेल देवास में बंदियों के लिये लाईब्रेरी का उद्घाटन किया। लाइब्रेरी में निर्देशक आई.टी. ग्रीक्स टेंक्नोलॉजी प्रायवेट लिमिटेड राहुलसिंह परिहार के सहयोग से बंदियों के लिये साहित्य, इतिहास, धर्म एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित 200 पुस्तकें प्रदान की गई है। इस अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र ने बंदियों को लाइब्रेरी के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास करने के लिए जागरूक किया। जीवन बदलने के लिये एक पुस्तक ही काफी है, पुस्तकें आपको पड़ने एवं शिक्षित होने हेतु प्रेरित करेंगी। कोई भी जन्मजात अपराधी नहीं होते, जेल में रहकर अच्छा सीखिए और अच्छा इंसान बनने में पुस्तकें आपकी मदद करेंगी। जिला जेल में लाईब्रेरी का शुभारंभ होना बंदियों के शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त करने के लिए नई शुरूआत है। शिविर में रोहित श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास एवं जेल अधीक्षक, जिला जेल देवास, स्टॉफ सहित, बंदीगण उपस्थित थे।

परिवहन विभाग ने सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिये शिविर का किया आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिला परिवहन कार्यालय देवास द्वारा सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिये मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने पंजीबद्ध सी.एम. हेल्पलाइन के आवेदकों/शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुना तथा तत्काल उनका निराकरण किया गया। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने शिविर में उपस्थित हुए आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा मौके पर ही आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करवाया जाकर शिविर में उपस्थित आवेदकों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया है। शिविर में मौके पर ही 7 शिकायतों का सन्तुष्टीपूर्वक निराकरण दर्ज किया गया। कार्यालय में शेष रही 7 शिकायतों के संबंध में आवेदकों को निर्धारित वांछित औपचारिकताएँ एवं दस्तावेज पूर्ण करवाने के संबंध में जानकारी प्रदाय की। इसके संबंध में आवेदकों ने शीघ्र ही निर्धारित दस्तावेज शीघ्र प्रस्तुत कर सी.एम. हेल्पलाइन के निराकरण के लिये कहा गया।

नई नीति का बस मालिकों ने किया विरोध, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

मांगे न मानने पर दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बस मालिकों ने स्टेज केरिज बसों के संचालन के लिए लागू की जा रही नई नीति का विरोध किया है। इसे लेकर बस मालिकों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें मांगे पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी है। बस संचालकों ने स्टेज कैरिज बसों के संचालन के लिए लागू की जा रही नई नीति को दमनकारी बताया। ज्ञापन शाजापुर में पदस्थ अधिकारी अनामिका आर्य को सौंपा गया। इस दौरान बस मालिकों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए नीति को वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में शाजापुर बस मालिक समूह यात्री कल्याण समिति, बस स्टैंड शाजापुर की ओर से उल्लेख किया गया कि 22 फरवरी 2026 को सागर में प्रदेशभर के बस मालिकों और संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक हुई थी। बैठक में नई नीति पर चर्चा की गई और इसे बस संचालकों के हितों के खिलाफ बताया गया। बस मालिकों का कहना है कि नई व्यवस्था से छोटे और मध्यम स्तर के संचालकों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। समिति ने 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित संशोधन प्रारूप को वापस लेने की मांग की है। साथ ही 29 जनवरी 2026 को किए गए संशोधन को पूरी तरह निरस्त करने की अपील की है।

युवा संगम आयोजन में 136 आवेदकों का प्राथमिक चयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन देवास तथा आयुक्त तकनीकी शिक्षा कौशल रोजगार एवं उदयोग विभाग के आदेशानुसार बेराजगार आवेदकों को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम आयोजन के अन्तर्गत रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटीशीप के अवसर एक ही छत के नीचे देने के उद्देश्य से जिला व्यापार उद्योग केन्द्र रोजगार कार्यालय एवं आईटीआई देवास द्वारा युवा संगम का आयोजन मंगलवार को मल्हार स्मृति सभाकक्ष में किया गया।

युवा संगम में 15 निजी संस्थाओं ने भाग लिया एवं रोजगार प्राप्त करने के लिए 185 आवेदकों द्वारा पंजीयन कराया गया। निजी संस्थाओं द्वारा 136 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। युवा संगम में स्वास्थय विभाग ने आवेदकों का स्वास्थय परीक्षण किया गया।

प्राचार्य आईटीआई हेमन्त दण्डोतिया ने युवा संगम में उपस्थित आवेदकों एवं कम्पनी के एचआर मैनेजर को देवास जॉब पोर्टल के बारे में बताया। उन्होंने देवास जॉब पोर्टल पर पंजीयन करने के बारे में बताया तथा जॉब पोर्टल के माध्यम से रिज्यूम अपलोड कर जॉब प्राप्त करने के लिए जानकारी दी। करियर कॉउन्सलर ने रोजगार-स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न कंपनियों के एचआर, उद्योग विभाग, आईटीआई, जिला रोजगार कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

किसान संघ ने की मुआवजे सहित 10 मांगे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत द्वारा मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं, चना, मसूर सहित अन्य फसलों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए 10 सूत्रीय मांगें रखी गईं।

संघ ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को शीघ्र राहत प्रदान करने की बात भी कही गई। ज्ञापन में सर्वे कार्य को पारदर्शी तरीके से कराने, जंगली जानवरों से होने वाले फसल नुकसान पर रोक लगाने और समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शीघ्र शुरू करने की मांग भी शामिल थी। किसानों ने खरीदी अवधि बढ़ाने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की भी अपील की। तहसील मंत्री ज्ञान सिंह गुर्जर ने बताया कि ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिसके चलते 10 सूत्रीय मांगों को लेकर यह ज्ञापन सौंपा गया है। वहीं जिला कोषाध्यक्ष ललित नागर ने जानकारी दी कि उनकी 45 बीघा गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। वे खराब गेहूं के नमूने भी कलेक्टर कार्यालय लेकर पहुंचे और अधिकारियों को गुणवत्ता में आई कमी से अवगत कराया। उन्होंने मांग की कि समर्थन मूल्य पर खरीदी के दौरान ऐसे प्रभावित गेहूं को भी स्वीकार किया जाए।

आपसी विवाद में दो घायल, पुलिस ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र के मोलटा गांव में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे आपसी विवाद के दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना मिलने पर सुनेरा पुलिस ने डायल 112 की मदद से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्ति की पहचान रामचंद्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार विवाद में एक और व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली थी।

आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त ने की निगम अधिकारियों के साथ बैठक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आगामी माह में होने वाले सर्वेक्षण के लिये निगम ने की तैयारी।

आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की तैयारी के लिये निगम के सभी विभाग प्रमुख एवं विभागीय अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षकों के साथ बैठक आहुत कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सर्वेक्षण गाईड लाईन के अनुरूप किये जाने वाले कार्यो की जानकारी ली साथ ही स्वच्छता सफाई कार्यो को लेकर स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसौदिया को रोड़ स्वीपिंग कार्य के लिये, तथा सूर्यप्रकाश तिवारी को सामुदायिक शैचालयों, सार्वजनिक शैचालयों तथा रेड स्पॉट के लिये कार्य में स्वच्छता निरंतर बनी रहे इस लिये सभी स्वच्छता निरीक्षकों को सर्वेक्षण निरीक्षण गाईड लाईन के अनुसार की जाने वाली सभी स्वच्छता व्यवस्था पर फोकस देने के साथ रात्रिकालीन सफाई पर विशेष फोकस देन हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

आयुक्त ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग करने वाले छोटे एवं बड़े व्यावसायकों एवं अन्य प्रतिष्ठानों पर चेकिंग अभियान चला कर अमानक पोलिथिन व सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिष्ठानों पर पाये जाने पर चालानी कार्वाही करने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षकों को दिये।

जिन वार्डो से सेग्रीगेशन में गीला एवं सूखा कचरा मिक्स आ रहा है उन वार्डो में कचरा संग्रहण वाहनों में गीला सूखा कचरा पृथक – पृथक डस्टबीनों में डलवाये जाने की समझाईश भी दें।

प्रमुख चौराहों एवं जिन स्थानों पर गीले एवं सूखे कचरे की डस्टबिन लगी हुई है उसकी निरंतर सफाई करें तथा जो डस्टबिन खराब हो रहीं हैं या टूट फूट रही हैं उनके बदलने एवं जिन स्थानों पर नये डस्टबिन लगाये जाने हैं की व्यवस्था पूर्णतः सुधार के लिये स्वच्छता नोडल सौरभ त्रिपाठी को निर्देशित किया।

देवास जिले के किसान गेहूं उपार्जन के लिए समिति स्तरीय 86 पंजीयन केन्द्रों पर 7 मार्च तक कराये निःशुल्क पंजीयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कार्य 07 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। जिले में समिति स्तरीय 86 पंजीयन केन्द्र (देवास-10, सोनकच्छ-11, टोंकखुर्द-06, बागली-06, उदयनगर-04, हाटपिपल्या-06, कन्नौद-12, सतवास-12, खातेगांव-19) स्थापित किये गये है। जिन पर किसान पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन केन्द्रों पर निःशुल्क किसान पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त किसान जनपद पंचायत कार्यालयों/तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर भी किसान निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन नीति अनुसार एम.पी.ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा साईबर कैफे पर किसान सशुल्क पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन हेतु निर्धारित शुल्क 50 रूपये से अधिक नहीं होगा।

जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि नवीन पंजीयन के समय किसानों का आधार नम्बर, समग्र परिवार आई.डी. तथा स्वयं का मोबाइल नम्बर, भूमि खाते-खसरा, ऋण पुस्तिका, वनाधिकार पट्टे आदि की प्रति तथा भूमि स्वयं के नाम पर न होने पर भू-स्वामी के साथ निर्धारित प्रारूप में सिकमी/बटाई अनुबंध की प्रति। पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। वनाधिकार पट्टधारी किसानों को वन पट्टा एवं सिकमी/बटाईदार किसानों को सिकमी/बटाई अनुबंध 02 फरवरी 2026 के पूर्व की अवधि का पंजीकृत होने पर ही मान्य किया जायेगा।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन कार्य के पर्यवेक्षण, हेल्पलाइन, पंजीयन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण, पंजीयन संबंधी समस्त विवादों के निराकरण एवं अन्य विषयों पर निर्णय लेने के लिए जिला स्तर एवं अनुविभाग स्तर पर निरीक्षण एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने एवं कठिनाईयों के निराकरण के लिए जिला स्तर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, देवास में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नम्बर 07272-222287 है तथा कन्ट्रोल रूम के प्रभारी मुकेश शर्मा, सहायक एकाउंटेन्ट, मोबाईल नंबर 97559-29350 को नियुक्त किया गया है।

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक खाते में किया जायेगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। आधार से खाता, मोबाईल नम्बर लिंक करने में पोस्ट आफिस के माध्यम से कराया जा सकता है। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय करने के लिए सभी किसानों से अनुरोध है कि, गिरदावरी पोर्टल पर प्रदशित रकबा तथा दस्तावेजों सहित अपनी सुविधा अनुसार नजदीकी पंजीयन केन्द्र/कियोस्क/एम.पी.ऑनलादन/कॉमन सर्विस सेन्टर/लोक सेवा केन्द्र/जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों स्थापित सुविधा केन्द्रों पर पंजीयन कराए।

किसानों की फसल जलाई, चिट्ठी लिखकर की जेवर, मवेशी और नगदी की मांग

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे पीड़ितों ने की शिकायत, की भरपाई की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम रूलकी में फसल को आग लगाने व चिट्ठी लिखकर जेवर, नगदी और मवेशी देने की मांग की गई है। एक नहीं दो किसानों के साथ यह घटना घटी है। पीड़ितों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मामले में कार्रवाई और नुकसान की भरपाई की मांग की है।

मंगलवार दोपहर दोनों किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ताओं में रूलकी निवासी गोवर्धन सिंह पिता आत्माराम मकवाना और शैताब सिंह पिता बापूजी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 22 और 23 फरवरी की रात अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी करीब दो-दो बीघा गेहूं की फसल में आग लगा दी। किसानों ने गांव के ही विशाल पिता हुकुम सिंह पर संदेह व्यक्त किया है। उनका आरोप है कि यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई है। किसानों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फसल नुकसान की भरपाई की मांग की है। किसानों ने बताया कि इस घटना में उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है। पहले ही मौसम की मार ने उनकी कमर तोड़ दी। उसके बाद अब किसी ने उनके खेतों में खड़ी फसल को आग के हवाले कर उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जिसने भी यह कार्य किया है उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं किसानों ने जो आवेदन दिया उसमें गांव के ही विशाल पिता हुकुम सिंह पर संदेह व्यक्त किया है। उनका आरोप है कि यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई है। किसानों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फसल नुकसान की भरपाई की मांग की है।

फसल जलाई फिर चिट्ठी भी छोड़ी- पीड़ित किसान गोवर्धन सिंह और शैताब सिंह ने बताया कि जब उन्हें घटना की जानकारी मिली तो वे खेत में पहुंचे जहां फसल जलकर राख हो चुकी थी। इसके बाद दोनो को फसल जलने के बाद खेत पर एक जैसी चिट्ठी भी मिली है। इस चिट्ठी में उनसे 5 किलो चांदी, 10 ग्राम सोना, 80 हजार रुपए नगद, एक भैंस और दो क्विंटल सोयाबीन की मांग की गई है। यही नहीं चिट्ठी में यह भी लिखा है कि जो भी नुकसान होगा उसकी जिम्मेदारी विशाल पिता हुकुम सिंह की होगी।

दो बच्चियों को बचाने कुत्ते से अकेले भिड़ गई मासूम

पागल कुत्ते ने मासूम के गाल और जबड़े पर आई गंभीर चोंट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर ही नहीं बल्कि जिले के कई क्षेत्रों में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जिले के प्रवेश द्वार कहे जाने वाला ग्राम बेरछा भी इससे अछूता नहीं है। जहां एक पागल कुत्ते ने एक मासूम पर हमला कर दिया। हालांकि वह अपने साथ खेल रही दो बालिकाओं को बचाने अकेले उस कुत्ते से भिड़ गई। लेकिन खुद गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना मंगलवार दोपहर की है। जब सेफिना पिता सावेद पठान निवासी बेरछा अपने घर के पीछे मैदान में अपनी दो सहेलियों के साथ खेल रही थी। तभी वहां पड़े रेत के ढेर पर एक कुत्ता आकर बैठ गया। कुछ देर तो बालिकाओं ने उसे अनदेखा किया। लेकिन कुछ देर बाद कुत्ता उन दो बालिकाओं के पीछे दौड़ा और एक पर उसने हमला करने का प्रयास भी किया। तभी सेफिना ने उन बालिकाओं को बचाया और उस कुत्ते को भगाने का प्रयास किया। लेकिन उसने उन बालिकाओं पर हमला कर दिया। इस पर सेफिना उस कुत्ते से भिड़ गई। जिस पर कुत्ते ने सेफिना के जबड़े और मुंह पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। तभी वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने यह देखा तो वे सेफिना की मदद को आए और कुत्ते को मार कर वहां से भगाया और उसके परिजनों को सूचना दी और परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल आए, जहां सेफिना का उपचार किया जा रहा है।

नगर में भी बढ़ रहा आवारा कुत्तों का आतंक- जिला मुख्यालय पर भी नगरवासी इन कुत्तों की वजह से परेशान हैं। जो शाम होते ही लोगों पर हमलावर हो जाते हैं। कई बार कुत्तों की वजह से लोग हादसे का शिकार भी हो चुके हैं। कुत्ते सड़क पर चलने वाले वाहनों के पीछे भागते हैं जिनसे बचने के लिए लोग तेज गति से वाहन भगाते हैं और हादसे की संभावना बढ़ जाती है। कई बार इसकी शिकायत भी जिला प्रशासन, नगर पालिका सहित अन्य अधिकारियों को की गई। लेकिन जिम्मेदार आज तक इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं ढूंढ पाए हैं।

नसबंदी की योजना भी बेअसर- नगर पालिका द्वारा कुत्तों की नसबंदी करने की भी योजना बनाई थी और एक कंपनी को यह काम सौंपा था। जिनके द्वारा कुत्तों को स्टेडियम मैदान में रखा गया और इनकी नसबंदी भी कर दी गई। उम्मीद थी कि इसके बाद कुत्तों के हमलों में कमी आएगी। लेकिन आज भी नगरवासी इन कुत्तों से परेशान हैं।

अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ का राष्ट्र स्तरीय शक्ति रत्न एवं कलमवीर अलंकरण समारोह सम्पन्न

गुप्ता, शर्मा, बुंदीवाल, घावरे एव नायक को मिले पद

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिमान्य पत्रकार एकता कल्याण संघ द्वारा मध्यप्रदेश के सुवासरा में राष्ट्र स्तरीय शक्ति रत्न महिला पत्रकार सम्मान एवं कलमवीर पत्रकार अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित मातृशक्ति के करकमलों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह का संयोजन राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती जया बघेल एवं पंकज बैरागी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। संघ के मुख्य संयोजक एवं राष्ट्रीय संयोजक श्री विजय सिंह पंचोलिया की विशेष उपस्थिति रही, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में दाहोद से पधारे संतश्री उपस्थित रहे। मंच पर अंतरराष्ट्रीय कथावाचक सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह के दौरान महिला इकाई राष्ट्रीय अध्यक्ष जया बघेल की अनुशंसा पर विजय सिंह एवं पंकज बैरागी द्वारा मंच से विभिन्न पदों की घोषणा की गई, जिसमें राजु गुप्ता को राष्ट्रीय सह सचिव, राहुल शर्मा को मध्यप्रदेश सह सचिव, दिलीप बुदीवाल (खाचरोद) को मध्यप्रदेश सचिव, केलाश चन्द्र को मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष तथा संदीप धावरे (खाचरोद) को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। घोषणा के पश्चात उपस्थित सदस्यों ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया। सभी पदाधिकारियों ने जया बघेल सहित संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नागदा के पत्रकार राजेश सकलेचा (संस्थापक, नागदा जर्नलिस्ट क्लब), अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल, सचिव दीपक जैन, दिनेश सोलंकी, निलेश मेहता, जीवनलाल जैन (चायवाले),राकेश शर्मा, गोरव कपुर,गिरधारी लाल गेहलोत, शंभु राठोड सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकारों को समाज सेवा एवं पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान हेतु कलमवीर सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला इकाई जया बघेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय ओ. सिंह पंसोरिया, राष्ट्रीय महासचिव महिला इकाई शारदा चौहान सैनी, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मिथिलेश कुमार पाठक, सहित अनेक पत्रकारगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आकर्षण सात वर्षीय बालक रुद्र रहा, जिसने अपनी ओजस्वी वाणी में देशभक्ति कविता पाठ कर सभी का मन मोह लिया। समारोह के उपरांत गगन बोहरा, डॉ. घनश्याम शर्मा, लोकेश चौहान, नवीन शर्मा, निखिल राठौर, अभिषेक पहाड़िया, गिरीश शर्मा, अनिल प्रजापत, अंशुल छोरिया, डॉ. पवन शर्मा, डॉ. अखिल खान, धीर शर्मा, राजमल कुमरावत, डॉ. मंगलेश बैरागी सहित इष्ट मित्रों ने मनोनीत पदाधिकारियों एवं सम्मानित पत्रकारों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का सजग प्रहरी है, जो समाज को जागरूक, संगठित एवं उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समारोह का समापन राष्ट्रहित एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के संकल्प के साथ हुआ।

मनुष्य जीवनभर सच्ची भक्ति करे तो उसका जीवन और भी आदर्श बन सकता है- महामंडलेश्वर आत्म चेतनगिरी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन श्री एकवीरा माता मंदिर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस भागवत प्रवक्ता महामंडलेश्वर आत्म चेतनगिरी ने बताया की धार्मिक कथा में धर्म, भक्ति और भगवान के अवतारों की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथावाचक ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान स्वयं अवतार लेकर धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा करते हैं।

कथा में अजामिल प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया गया कि जीवनभर दुराचार करने के बावजूद अंत समय में नारायण नाम का स्मरण करने से उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई। इससे यह संदेश दिया गया कि भगवान का नाम अत्यंत शक्तिशाली है, किंतु यदि मनुष्य जीवनभर सच्ची भक्ति करे तो उसका जीवन और भी आदर्श बन सकता है।

राजा इंद्र पर ब्रह्महत्या का पाप लगने और उसके विभाजन का प्रसंग सुनाते हुए कर्मफल के अटल सिद्धांत को स्पष्ट किया गया। कहा गया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है। ऋषि दधीचि के त्याग का वर्णन करते हुए बताया गया कि उन्होंने देवताओं के कल्याण हेतु अपनी अस्थियाँ दान कर दीं, जिनसे बने वज्र से वृत्रासुर का वध हुआ। यह प्रसंग त्याग, बलिदान और परोपकार की सर्वोच्च मिसाल है। वृत्रासुर को भी ज्ञानी और ईश्वरभक्त बताया गया, जिसने विपरीत परिस्थितियों में भी भक्ति नहीं छोड़ी।

कथा में भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकशिपु का प्रसंग सुनाते हुए बताया गया कि जब अत्याचार चरम पर पहुंचता है, तब भगवान नरसिंह रूप में अवतरित होकर धर्म की रक्षा करते हैं। कथावाचक ने स्पष्ट किया कि राक्षस कोई जाति नहीं, बल्कि दूषित कर्म और अधार्मिक प्रवृत्तियों का प्रतीक है। कथा के अंत में श्रद्धालुओं से धर्म, सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। कथा का पुण्य लाभ आयोजक सुरेशचंद्र पाटीदार एवं मोहन बाई पाटीदार बखतगढ़ वालों ने प्राप्त किया। राजीव पाटीदार ने बताया कि कल श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा,? नगर की धर्म प्रेमी जनता से अपील की हे की अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कथा श्रवण करें।

सेवा की अनूठी मिसाल : टीम संडे का सुकून के मोक्ष वाहन ने की एक साल में 200 परिवारों की मदद

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब किसी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटता है और कोई अपना साथ छोड़ जाता है तो उस कठिन घड़ी में अंतिम संस्कार की व्यवस्थाएं जुटाना एक बड़ी चुनौती होती है। शहर की जागरूक युवाओं की संस्था टीम संडे का सुकून ने इसी पीड़ा को समझा और आज से ठीक एक साल पहले शहर में मोक्ष वाहन सेवा की शुरुआत की। इस सेवा ने सफलतापूर्वक अपना एक साल पूरा कर लिया है, जो अब शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक बड़ा संबल बन गई है। टीम संडे का सुकून ने बताया कि पिछले एक साल के सफर में यह मोक्ष वाहन 200 से अधिक शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंच चुका है। मात्र एक कॉल पर वाहन प्रशिक्षित चालक के साथ मृतक के निवास पर पहुंच जाता है। सबसे खास बात यह है कि इस पूरी सेवा का प्रबंधन और आर्थिक भार टीम संडे का सुकून खुद ही उठाती है। टीम ने जानकारी दी कि साल भर में वाहन के संचालन पर लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये का खर्च आया है। इसमें प्रशिक्षित वाहन चालक का वेतन, डीजल का खर्च और वाहन का रखरखाव शामिल है। मोक्ष वाहन के चालक केवल गाड़ी ही नहीं चलाते, बल्कि वे अंतिम विदाई की प्रक्रियाओं में हाथ बंटाकर मानवीय संवेदनाओं का परिचय भी देते हैं। टीम सदस्यों के अनुसार सेवा का दायरा केवल शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के गांवों से सूचना मिलने पर भी टीम तत्परता से वहां पहुंचती है। टीम संडे का सुकून के इस सेवाभावी कार्य की नगर में मुक्त कंठ से सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि जहां आज के दौर में हर चीज व्यापार बन गई है, वहीं इन युवाओं ने निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा का जो बीड़ा उठाया है, वह प्रेरणादायी है। टीम ने बताया कि इस सेवा के लिए हमने मोबाइल नंबर 8120205052 जारी कर रखा है।

डॉ. रेहाना बोहरा और डॉ. मुफज़्ज़ल बोहरा पर केस दर्ज- ऑपरेशन के दौरान नवविवाहिता की मौत के मामले में चार माह बाद कार्रवाई

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लालबाग रोड स्थित हकीमी अस्पताल में 23 वर्षीय नवविवाहिता वैष्णवी चौहान की ऑपरेशन के दौरान हुई मृत्यु के प्रकरण में पुलिस ने अस्पताल संचालक डॉ. मुफज्जल बोहरा एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रेहाना बोहरा के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। थाना लालबाग में रविवार देर रात अपराध पंजीबद्ध होने के बाद यह मामला पुनः चर्चा में आ गया है।

क्या है मामला- जैनाबाद निवासी वैष्णवी चौहान का पिछले छह महीनों से उपचार चल रहा था। परिजनों के अनुसार बच्चेदानी संबंधी समस्या के कारण उसके तीन ऑपरेशन पूर्व में हो चुके थे। 11 नवंबर 2025 को चौथा ऑपरेशन निर्धारित था। सुबह अस्पताल में भर्ती के बाद दोपहर में सर्जरी प्रारंभ हुई। शाम तक परिजनों को स्थिति गंभीर होने की सूचना दी गई और बाद में मृत्यु की पुष्टि की गई। परिजनों ने एनेस्थीसिया की मात्रा तथा आपातकालीन सुविधाओं की उपलब्धता पर सवाल उठाए हैं। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने लगातार चिकित्सकीय लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है।

प्रशासनिक और वैधानिक प्रक्रिया- घटना के बाद अस्पताल परिसर में विवाद की स्थिति बनी। पुलिस ने सीसीटीवी डीवीआर और उपचार से संबंधित दस्तावेज जब्त किए। कलेक्टर के निर्देश पर जांच समिति गठित की गई। स्वास्थ्य विभाग की जांच उपरांत अस्पताल का लाइसेंस एवं पंजीयन निरस्त कर दिया गया।

थाना लालबाग में मर्ग क्रमांक 36/25 के तहत प्रारंभिक जांच की गई। नवविवाहिता होने के कारण नायब तहसीलदार द्वारा शव पंचायतनामा तैयार किया गया। महिला चिकित्सकों सहित पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया तथा नमूने एफएसएल शाखा, मेडिकल कॉलेज खंडवा भेजे गए। 31 जनवरी 2026 को एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त हुई। इसके पश्चात क्यूरी रिपोर्ट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की टिप्पणी तथा कलेक्टर जांच समिति की विस्तृत रिपोर्ट सहित लगभग 285 पन्नों की जांच डायरी के आधार पर अपराध दर्ज करने के निर्देश जारी किए गए।

विधायक शेखावत ने प्रदेश हित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी रूप से सदन में उठाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र बदनावर के लोकप्रिय विधायक भंवरसिंह शेखावत द्वारा प्रचलित विधानसभा सत्र फरवरीङ्कमार्च 2026 के दौरान क्षेत्र एवं प्रदेशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी रूप से सदन में उठाया गया। जनसमस्याओं के निराकरण, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा विकास कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों के माध्यम से शासन का ध्यान आकृष्ट किया।

विधायक शेखावत ने विशेष रूप से बदनावर क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग लेबड़ङ्कनयागाँव फोरलेन मार्ग पर ओवरब्रिज निर्माण को प्रमुखता से सदन में रखा, जिससे क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग है और इसके पूर्ण होने से आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा। मनरेगा से जुड़े विषयों पर भी विधायक शेखावत ने गंभीरता से प्रश्न उठाए। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत कार्यरत उपयंत्रियों की आठ सूत्रीय मांगों एवं हड़ताल अवधि के वेतन भुगतान का मुद्दा सदन में रखा। साथ ही पंचायतीराज व्यवस्था अंतर्गत ग्राम रोजगार सहायकों को प्रभार दिए जाने की स्थिति स्पष्ट करने तथा मनरेगा में फर्जी जॉब कार्ड एवं फर्जी भुगतान की शिकायतों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

किसान हितों को ध्यान में रखते हुए समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी एवं भुगतान की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी गई, ताकि किसानों को समय पर उचित मूल्य प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त प्रदेश में जनसंख्या एवं क्षेत्रफल के अनुपात में नए पुलिस थानों की स्थापना एवं पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

विधायक शेखावत ने लोकायुक्त संगठन में लंबित प्रकरणों की स्थिति पर जानकारी मांगते हुए पारदर्शिता एवं त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता बताई। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत रतलाम मेडिकल कॉलेज में दस्तावेजों एवं संभावित अनियमितताओं की जांच की मांग भी की गई। पशुपालन डेयरी विभाग में कार्यपालक पद पर नियम विरुद्ध प्रभार दिए जाने के विषय को भी सदन में उठाया गया।

सहकारिता क्षेत्र से संबंधित विषयों में क्षेत्रीय सहकारी सोयाबीन संघ उज्जैन के कर्मचारियों की सेवा समाप्ति पर आर्थिक सहायता, सी.सी. बैंक देवास अंतर्गत ग्राम खातेगांव की समितियों में अवैध नियुक्तियों की जांच, सहकारी बैंकों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की पदस्थापना, वित्तीय अनियमितताओं की जांच एवं प्रशासक नियुक्ति जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। अपैक्स बैंक में वित्तीय अनियमितता करने वाले अधिकारियों के संबंध में आवश्यक जानकारी भी मांगी गई।

शिक्षा क्षेत्र में कक्षा 1 से 12 तक संचालित शासकीय विद्यालयों में स्टाफ की उपलब्धता एवं रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा गया, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो। इसके अतिरिक्त एम.पी.एस.ई.डी.सी. ई-गवर्नेंस के माध्यम से विधायकों की अनुमति के बिना प्रदेश के समस्त विधायक कार्यालयों हेतु सामग्री क्रय किए जाने की प्रक्रिया की जांच की मांग कर प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

विधायक भंवरसिंह शेखावत ने कहा कि वे बदनावर विधानसभा क्षेत्र सहित सम्पूर्ण प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा, विकास कार्यों की गति बढ़ाने तथा शासन को जवाबदेह बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं। विधानसभा में उठाए गए इन प्रश्नों के माध्यम से जनभावनाओं को प्रभावी स्वर दिया गया है तथा शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस पहल सुनिश्चित की गई है। उक्त जानकारी विधायक निज सहायक आर.पी.सिंह द्वारा दी गई 7

जब बागड़ ही उठकर बाढ़ को खाने लगे तो किस उम्मीद की जा सकती है

महाकाल वन महाकाल भरोसे दिन प्रतिदिन दुर्गति होती जा रही महाकाल वन की

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल एवं ग्रामीण अंचलों में यही स्थिति बनी हुई है विंध्याचल पर्वत का एक हिस्सा होने के कारण यहां पर जड़ी बूटियां का खजाना माना जाता है जो की आयुष योजना के अंतर्गत आता है और नरेंद्र मोदी जी की माहिती योजना भी है परंतु यहां का वन विभाग का हमला जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भारत पचलाना इंगोरिया रुणीजा उन्हेल बेडवान रेलवे स्टेशन कर्णावत गुराडिया सांगा आलोट पिपलिया डाबी सहित सैकड़ो गांव से लकड़ी कट कर माफिया द्वारा अंधाधुंध लकड़ी काटकर गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान सहित अन्य राज्यों में बड़े मुनाफे पर बेची जा रही है ऐसे में आयुर्वेद की जड़ी बूटियां का आने वाले समय में भयंकर संकट आने वाला है अफसर शाही कोई यूं आंखें मूंद कर बैठ जाना मालवा अंचल के पेड़ पौधों के साथ-साथ जड़ी बूटियां का भी कलयुग में विनाश काल आ गया है चंद नोटों की खनक के बाद कानों मेंरूई आंखों पर धृतराष्ट्र की पट्टी बांधकर सो चुका संबंधित विभाग को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बंद कर देना चाहिए ताकि करोड़ अरबो रुपए की जनता के टैक्स से तनख्वाह दि जा रही वह सीधा-सीधा सरकार के पास पैसा बचेगा और अन्य कार्य में लगाए जाने पर जनता का कुछ तो फायदा होगा।

जड़ी बूटियां के काम आने वाली लड़कियों का बड़े मुनाफे पर कालाबाजारी सोचने वाली बात है आने वाली पीढ़ी को खत्म कर रहा वन विभाग द्वारा कथित अवैध गतिविधियों पर लगाम न लगना यही कहावत सिद्ध चरितार्थ करता है की जब बगड़ ही उठकर बाढ़ को खाने लगे तो क्या ही किसी से उम्मीद की जा सकती है आश्चर्यचकित जिंदा जनता क्या बोले कौन सुनेगा किसको सुनाएं इसलिए चुप रहते हैं स्टेट हाईवे से सैकड़ो ट्रैक्टर दिन में भरकर ट्रक भरकर निकल रहे हैं सीसीटीवी कैमरे अगर चेक किए जाएं तो लोकायुक्त की कार्रवाई विभाग के अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर की जा सकती हैं इस कृत्य में जो जो सम्मिलित है उन पर सुष्मिता से जांच कर एफआईआर दर्ज की जाना अत्यंत आवश्यक है वरना मालवा रेगिस्तान बनने मे कुछ समय की देर लगेगी।

बदनावर में 1 मई से जनगणना अभियान प्रारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की 16वीं एवं स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना की तैयारियां अब बदनावर में शुरू होने जा रही हैं। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण का व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान नगर परिषद बदनावर क्षेत्र के प्रत्येक मकान का सर्वे कर आवश्यक विवरण संकलित किया जाएगा। नगर परिषद बदनावर के चार्ज सीएमओ लालसिंह राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में मकानों की गणना, भवनों का सत्यापन एवं परिवारों की मूलभूत जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसके लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, जिन्हें विधिवत प्रशिक्षण देकर घर-घर भेजा जाएगा। सर्वे दल निर्धारित प्रारूप के अनुसार जानकारी संकलित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना कार्य पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संपन्न किया जाएगा। टैबलेट एवं ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से डेटा सीधे प्रणाली में अपलोड किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता, सटीकता एवं त्वरित संकलन सुनिश्चित होगा। डिजिटल व्यवस्था के कारण त्रुटियों की संभावना भी कम रहेगी राठौर ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि नगर परिषद द्वारा मकानों पर अंकित किए गए नंबरों को किसी भी स्थिति में न मिटाएं। सर्वे दल जब जानकारी लेने पहुंचे तो उन्हें सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण आधार है। सही जानकारी से शासन को योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के वितरण एवं क्षेत्रीय विकास की रूपरेखा बनाने में सहायता मिलती है।

नगर परिषद प्रशासन ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि बदनावर का सटीक एवं समग्र आंकड़ा तैयार हो सके और क्षेत्र को भविष्य की योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

जनगणना-2027 के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना निदेशालय भोपाल के निर्देशानुसार सीहोर जिला मुख्यालय में जनगणना -2027 अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के संबंध में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। आगामी एक मई से 30 मई की अवधि में जनगणना की निर्धारित प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। राज्य स्तर से नियुक्त जिला प्रभारी एवं प्रशिक्षक यशस्वी जायसवाल, परिधि भाटी तथा अशोक चौबे द्वारा अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी ग्रामीण तथा नगरीय चार्ज अधिकारी एवं जनगणना लिपिकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में जनगणना की समस्त प्रक्रियाओं, दायित्वों एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि जनगणना का प्रथम चरण, मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 मई से 30 मई 2026 तक की जायेगी। इस चरण में सभी भवनों, जनगणना मकानों एवं परिवारों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा तथा आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी संकलित की जाएगी। यह चरण द्वितीय चरण की जनसंख्या गणना के लिए आधार तैयार करेगा, ताकि कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रहे। जनगणना-2027 में पहली बार स्व-गणना SelfxEnumeration की सुविधा भी प्रदान की गई है। नागरिक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक अपने परिवार की जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे, जिससे एक विशिष्ट SE ID जनरेट होगी।

अर्चना चिटनिस की पहल से भोपाल-भुसावल रेल सेवा का मार्ग प्रशस्त, विधानसभा में संकल्प सर्वसम्मति से पारित

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने विधानसभा सत्र के दौरान एक दूरदर्शी और जनहितैषी पहल करते हुए भोपाल से भुसावल के मध्य नई ट्रेन अथवा मेमू रेल सेवा प्रारंभ करने का अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया। इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर रेल मंत्रालय भारत सरकार को भेजने का निर्णय लिया, जिससे क्षेत्र के लाखों नागरिकों को बेहतर रेल सुविधा मिलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

संकल्प प्रस्तुत करते हुए विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि भोपाल और भुसावल के बीच लंबी दूरी की कई ट्रेनें संचालित हैं, किंतु सामान्य श्रेणी के डिब्बों की कमी और आरक्षण के बिना यात्रा की कठिनाइयों के कारण आम नागरिकों, विद्यार्थियों, मरीजों तथा दैनिक यात्रियों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। भोपाल, बुरहानपुर, हरदा, खंडवा, टिमरनी, खिड़किया और इटारसी जैसे महत्वपूर्ण शहरों के यात्रियों के लिए यह मार्ग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भोपाल प्रदेश की राजधानी होने के कारण शिक्षा, चिकित्सा और प्रशासनिक कार्यों हेतु प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। पूर्व में वर्ष 1975 से 1980 के बीच इस मार्ग पर एक ट्रेन संचालित थी, जिसे उस समय यात्रियों की कमी के कारण बंद कर दिया गया था, किंतु वर्तमान में यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हो चुकी है और नई रेल सेवा की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

मौजूदा ट्रेन को भोपाल तक बढ़ाने का व्यावहारिक सुझाव- श्रीमती अर्चना चिटनिस ने व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि नई ट्रेन स्वीकृत करना संभव न हो, तो वर्तमान में संचालित ट्रेन संख्या 11115 और 11116 को भोपाल तक बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन इटारसी पहुंचने के बाद लगभग 17 घंटे तक यार्ड में खड़ी रहती है, जबकि इसी अवधि में यह भोपाल जाकर पुनः इटारसी लौट सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में खंडवा से बुरहानपुर के लिए रात एक बजे ट्रेन चलती है, जिसमें यात्रियों की संख्या कम रहती है। यदि यह ट्रेन भोपाल तक बढ़ाकर पलटकर चलाई जाए तो सुबह पांच बजे खण्डवा से ट्रेन उपलब्ध हो सकेगी, जिससे आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

ग्रामीण अंचलों और व्यापार को मिलेगा बड़ा लाभ- श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि इस रेल सेवा से मार्ग के छोटे-छोटे ग्रामीण स्टेशनों को भी सीधा लाभ मिलेगा, जिससे किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों का आवागमन सरल होगा। बुरहानपुर, भुसावल और भोपाल के बीच बेहतर रेल संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र के आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।

सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन- लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि श्रीमती अर्चना चिटनिस द्वारा पर्याप्त अध्ययन और जनहित को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण विषय सदन के समक्ष रखा गया है, जिससे पूरे क्षेत्र को निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को विधि अनुसार केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा।

संकल्प सर्वसम्मति से पारित- सभापति ने घोषणा की कि यह सदन केन्द्र शासन से अनुरोध करता है कि भोपाल से भुसावल के मध्य नई ट्रेन अथवा मेमू रेल सेवा प्रारंभ की जाए। इसके साथ ही यह संकल्प सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

उन्हेल हिंदू-मुस्लिम एकता और मानवता की मिसाल बना

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू-मुस्लिम एकता और इंसानियत की एक बड़ी मिसाल सामने आई। रमज़ान माह के दौरान पीपलिया रोड, उन्हेल में रहने वाले श्री बालाराम चौधरी की धर्मपत्नी संतोष बाई का निधन हो गया वे मूल रूप से पीपलिया मंडी के निवासी थे और पिछले 25 वर्षों से उन्हेल में रह रहे थे। उन्हेल में उनका कोई नज़दीकी रिश्तेदार न होने के कारण इस दुखद समय में मुस्लिम समाज के लोगों ने आगे बढ़कर सहयोग किया और उनके अंतिम संस्कार की संपूर्ण व्यवस्था कर इंसानियत की एक बड़ी मिसाल पेश की। इस अवसर पर सर्वसमाज के लोग शामिल हुए। सभी समाजों के लोगों ने मिलकर आपसी भाईचारे, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है।

प्रापर्टी विशेषशज्ञो का मानना है अभी प्रापर्टी के व्यवसाय मे उछाल की सभावनायें दुर - दुर तक नजर नही आती

तीन हजार रु तक का व्यापार को पन्द्रहसो रू तक मे लेवाली नही

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार नागदा एव आस पास महिद्पुर रोड, उन्हेल रोड, बेरछा रोड एव घिनोदा खाचरोद रोड पर खरीदी व ब्रिकी को लेकर शायद अभी ग्रहण लगा हुआ है साथ ही नागदा शहर एवं आसपास की प्रॉपर्टी खरीददारी एव बेचवाली को लेकर कई चौकाने वाली बाते सामने आ रही है जो आने वाले भविष्य के लिये सुखद नही कह सकते जब एक समय था कि चारो और प्रापर्टी के दाम आसमान को छुने लगे थे परन्तु अब प्रापर्टी व्यवसाय मे धीरे धीरे दामो मे गिरावट शुरू हुई जो थमने का नाम नही ले रही

अगर नगर शहर की बात करें तो जहा पर प्रॉपर्टी के दाम कुछ माह पहले करीबन 1 करोड़ के आसपास का मूल्य चल रहे थे। आज उसी क्षेत्र मे प्रापर्टी लगभग 70 लाख रूपये के आसपास आकर रूक गई है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि कुछ ही महिनों में शहर के अंदर प्रापर्टी के भावो में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर शहर से दूर की बात करें तो जहा पर तीन से चार हजार रू स्केयर फीट का माल आज पन्द्रह सो रू से लेकर दो हजार रू तक मे व्यापार की लेवाली नही है जो भाव अभी सामने आरहे वह भाव निश्चित ही हैरान करने वाले है।

जहॉ बेचवाल है, वहॉ लेवाल नहीं - शहर ही नहीं, शहर के आसपास भी काफी तादाद मे प्रापर्टी बिकने को आ रही है। परन्तु भाव की गिरावट के बावजूद भी लोगों का खरीददारी मे न के बराबर रुझान नजर आता है बाजार की स्थिति को देखते हुए कही ना कही डर बेठा हुआ है

गिरावट को देख सहमे हुए है - बाजारो मे प्रापर्टी गिरावट के कारण कई खरीददार सहमे हुए है कही नई प्रापर्टी खरीदने के बाद और रेट गिर ना जाय

बाजार की स्थिति को देखकर कई खरीददार अपना हाथ बचाकर चल रहे है।

कई प्रापर्टी व्यवसाय करने वाले आज भी प्रापर्टी लेने की इच्छा तो रखते है परन्तु बाजार की स्थिति को देखते हुए अपने कदम पीछे कर लेते है ।

हाथ बचाकर चले नही तो हाथ जल जायेगे - यह एक कहावत है जो पूर्ण रूप से चरितार्थ हो रही है प्रापर्टी लेने के पहले आंकलन जरूर कर लेवे नही तो हाथ जलने की सभावनाओ से इंकार भी नही किया जा सकता

प्रापर्टी विनिमय का बढ़ता चलन - सुत्रो के अनुसार बाजार की स्थिति यह है कि नगदी की कमी के चलते इन दिनो व्यापार के बदले व्यापार करने का अभी नया ट्रेंड चल रहा है नया व्यापार लेकर कोई भी जोखीम उठाना नही चा रहा है

प्रापर्टी व्यवसाय को लगा ग्रहण - शहर के कई व्यवसाय करने वालो की जब नब्ज टटोली तो कई बाते सामने आई जिससे शहर एव आसपास की प्रापर्टी के दाम ओंधे मुह गिरेने के मुख्यत कारण जिला नही बनना, फोरलेन शहर से दुर,रेलवे द्वारा नये स्टेशनो पर ट्रेन रुकने का मुद्दा एव उद्योगो का बढ़ावा नही मिलना ऐसे कई मुद्दे है जिससे प्रापर्टी की गति थम सी गई।

कलेक्टर ने दी निधि के उपचार के लिए 25 हजार रूपये की सहायता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मनासा निवासी आशीष पिता अनिल भाटी की बहन निधि पिता स्व.मुकेश भाटी को जीबीएस (गुलियन- बैरे सिंड्रोम) के उपचार के लिए 25 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं। आवेदक के परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उपचार के लिए कलेक्टर द्वारा रेडक्रास नीमच से 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत गई हैं। स्वीकृत राशि संबंधित के बैंक खाते में आर.टी.जी.एस.से भुगतान कर दी गई हैं।

चीताखेडा, जनकपुर एवं मनासा में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग द्वारा निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर मंगलवार को चीताखेडा, जनकपुर एवं मनासा में आयोजित किया गया। शिविर में आमवात, संधिवात, त्वचा रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिश्याय, रक्त अल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श गैस अम्लपित, त्वक रोग, हदय प्रमेह, आदि बीमारियों की जांच कर निःशुल्क औषधियां वितरित की गई। चीताखेडा में 81, जनकपुर में 78 एवं मनासा में 59 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया हैं। शिविर में डॉ.नाथू सिंह मौर्य डॉ. विवेक शर्मा, डॉ.धीरज डावर एवं डॉ.मदनलाल पाटीदार, डॉ तारेन्द्र सिंह सोनगरा, आयुष स्टाफ एंव आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ ने अपनी सेवाएं दी हैं।

कोई भी दिव्यांग बच्चा चिन्हांकन एवं लाभ से वंचित न रहे - जिले में विशेष स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन शिविर आयोजित होंगे

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश, मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार कोई भी दिव्यांग बच्चा चिन्हांकन एवं लाभ से वंचित न रहे के उद्देश्य से प्रत्येक संभावित दिव्यांग बच्चे की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन सुनिश्चित किया जाना है। उक्त निर्देशों के पालन में जिला झाबुआ में 0 से 18 वर्ष आयु के संभावित दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन, चिकित्सकीय परीक्षण तथा दिव्यांग प्रमाण पत्र/यूडीआईडी जारी करने हेतु विकासखण्डवार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 26 फरवरी 2026 को दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र रंगपुरा झाबुआ में, 05 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पेटलावद में, 13 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र थांदला में, 18 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेघनगर में, 25 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राणापुर में तथा 30 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामा में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

बड़वानी जिले में यातायात जागरूकता माह का सफल आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशन में बड़वानी पुलिस द्वारा माह जनवरी 2026 को जिले भर में यातायात जागरूकता माह के रूप में मनाया गया।

अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। यातायात थाना प्रभारी श्री विनोद बघेल के नेतृत्व में आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित वाहन संचालन को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने एवं शराब पीकर वाहन न चलाने संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिये गये।

अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ, शपथ ग्रहण कार्यक्रम तथा स्कूल, कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। विद्यार्थियों एवं नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करते हुए पम्पलेट एवं जानकारी पत्रक वितरित किये गये। इस अभियान में संजीवनी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

उन्होंने नाटक, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा का प्रभावी संदेश दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता में विशेष योगदान देने वाले विद्यार्थियों को 24 फरवरी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आमंत्रित कर प्रभारी पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

झांतला जन्म स्थल में पंडित लादूलाल जैन की बिंदोरी यात्रा निकली

दीक्षार्थी की गोद भराई की रस्म जैन समाज सहित नगर के गणमान्य नागरिकों द्वारा निभाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमतौर पर इंसान अपने जीवन मे एक अच्छा करियर बनाने के बाद अपने परिवार के साथ आराम दायक जीवन जीना पसंद करता है, और शायद इसीलिये भरपूर मेहनत करता है। अपार धन संपदा अर्जित करने के बाद भी मन मे वैराग्य के प्रति अनुराग पैदा हो जाये , ऐसे उदाहरण भी हमे देखने को मिलते है. ताजा उदाहरण नीमच जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित विशुद्ध नगरी ग्राम झांतला में सामने आया यंहा एक धनोपीया परिवार में जन्मे पंडित लादूलाल जैन आगामी 26 फरवरी 2026 गुरुवार को जयपुर के पदम् प्रभुजी में जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करेंगे वे वात्सल्य वरिधि पूज्य गुरुदेव आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के कर कमलों से दीक्षा लेंगे जैन समाज मे इस दीक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र संस्कार माना जाता है । इसे सांसारिक जीवन का त्याग कर मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ने का संकल्प समझा जाता है ।

जैनेश्वरी दीक्षा का आध्यात्मिक महत्व- जैन धर्म मे जेनेश्वरी दीक्षा को सर्वोच्य आध्यात्मिक संस्कार माना जाता है ।इससे व्यक्ति सांसारिक मोह माया का त्याग कर आत्म कल्याण और मोक्ष मार्ग को अपनाता है । दीक्षा लेने वाला 28 मूल गुणों का पालन करने , अहिंसा और अपरिग्रह का जीवन जीने तथा वैराग्य अपनाने का संकल्प लेता है । यह दीक्षा आत्मा की शुद्धि ओर कर्मो के क्षय का मार्ग मानी जाती है ।

जो परम् पद की प्राप्ति का पद है, जन्म स्थल झांतला में निकली गोद भराई व बिंदोरी यात्रा दीक्षा से पूर्व मंगलवार को विशुद्ध नगरी व मेवाड़ प्रांत के ग्राम झांतला में दिगम्बर जैन समाज द्वारा पंडित लादूलाल जैन की गोद भराई ओर भव्य बिंदोरी यात्रा निकाली गईयात्रा झांतला स्थित जैन मंदिर से शुरू हुई जो प्रमुख मार्गो से गुजरती हुई नई आबादी पहुचने के बाद जैन संत शाला पहुची।

इस बीच रास्ते मे समाजजनों ने जगह जगह दिक्षार्थी की गौद भराई की रस्म निभाई - अंत मे जैन संत शाला परिसर में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोगो को पंडित लादुलाल जैन ने अपने मुखारबिंद से धर्म सभा को सम्बोधित किया इस दौरान समाज के वरिष्ठ व पत्रकार राजेश शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

पंडित लादूलाल जैन की दीक्षा से पूर्व ही पूरे नगर में धार्मिक ओर उत्साहपूर्ण वातावरण दिखाई दे रहा ।

पवन पाटीदार का बढ़ता राजनीतिक कद, - सांसद, विधायक हर पद के लिए सटीक, हर दिल के करीब, चुनौतियों को अवसर में बदलने वाला नाम है, पवन पाटीदार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजनीति में पहचान बनाना आसान नहीं, और कम उम्र में संगठन के शीर्ष तक पहुँचना तो और भी कठिन। लेकिन इन चुनौतियों को अवसर में बदलने वाला नाम है – पवन पाटीदार। आज उनका व्यक्तित्व और कद ऐसा है कि विधायक, सांसद या किसी भी बड़े दायित्व की चर्चा हो, पवन पाटीदार का नाम स्वतः सामने आ जाता है। राजनीति में कई नाम आते हैं और समय के साथ खो भी जाते हैं, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं जो अपने काम से इतिहास लिखते हैं। ऐसा ही एक नाम है – पवन पाटीदार। कम उम्र, बड़ी सोच और उससे भी बड़ा संगठन कौशलज यही उनकी पहचान है। जमीनी स्तर से उठकर संगठन को नई ऊँचाइयाँ देने वाले पवन पाटीदार ने अपनी कार्यशैली से यह साबित किया है कि राजनीति केवल पद पाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का संकल्प है। सरल स्वभाव, हर कार्यकर्ता को साथ लेकर चलने की नीति और बिना किसी भेदभाव के काम करने की सोच ने उन्हें हर वर्ग का प्रिय बना दिया है।

जब वे जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष थे, तब संगठन को जो मजबूती मिली, उसकी गूंज प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सुनाई दी। कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, बूथ स्तर तक सशक्त संरचना और चुनावी रणनीति की सफलता ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। वरिष्ठ नेताओं ने खुले मंचों से उनकी प्रशंसा की और उनके नेतृत्व को सराहा।

जिला स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने संगठन को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा दी। उनके नेतृत्व में पार्टी को जिले में अभूतपूर्व मजबूती मिली। यही कारण है कि प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय मंचों तक उनके कार्यों की गूंज सुनाई दी। वरिष्ठ नेताओं ने खुले मंच से उनकी सराहना की और संगठन के प्रति उनके समर्पण को आदर्श बताया। उनके नेतृत्व में जिले में पार्टी का जनाधार मजबूत हुआ और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

उनकी इसी काबिलियत और संगठन विस्तार में योगदान, उनके उत्कृष्ट कार्यों और संगठन को मजबूत करने की क्षमता के चलते उन्हें प्रदेश स्तर पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, मध्य प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। इतनी कम उम्र में इतना बड़ा पद मिलना यह साबित करता है कि वे केवल नेता नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति का मजबूत स्तंभ हैं। कम उम्र में इतना बड़ा दायित्व मिलना न केवल उनके लिए बल्कि पूरे नीमच जिले के लिए गर्व का विषय है।

उनकी इसी कार्यक्षमता और संगठन निष्ठा के चलते कम उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलना इस बात का प्रमाण है कि वे भविष्य की राजनीति के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं।

आज मध्य प्रदेश में यदि नीमच का नाम एक सशक्त और ऊर्जावान नेतृत्व के रूप में लिया जा रहा है, तो उसमें पवन पाटीदार की मेहनत और समर्पण का बड़ा योगदान है। युवाओं में उनका जबरदस्त प्रभाव है–उनकी मुस्कान, सकारात्मक सोच और सबको साथ लेकर चलने की भावना उन्हें युवाओं का रोल मॉडल बनाती है।

कम उम्र में राजनीति के शिखर को छूने का जज़्बा और संगठन के प्रति समर्पण यदि किसी में देखने को मिलता है, तो वह नाम है पवन पाटीदार। उनकी कार्यशैली, व्यवहार और संगठन के प्रति निष्ठा उन्हें भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। अगर समर्पण, संगठन क्षमता और जनसेवा की भावना को एक नाम देना हो तो वह नाम है पवन पाटीदार।

उनके चेहरे की मुस्कान, सहज व्यवहार और सकारात्मक सोच के कारण युवा वर्ग में उनका विशेष आकर्षण है। भाजपा

आज मध्य प्रदेश में यदि नीमच की पहचान सशक्त नेतृत्व के रूप में उभर रही है, तो उसमें पवन पाटीदार का बड़ा योगदान है। युवाओं में उनका जबरदस्त प्रभाव है– उनकी मुस्कान, सहजता और सकारात्मक ऊर्जा उन्हें युवाओं का चहेता बनाती है। खास बात यह है कि केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि अन्य दलों के लोग भी उनके व्यवहार और कार्यशैली की सराहना करते हैं।

24 फरवरी को उनके जन्मदिवस के अवसर पर 'द न्यूज ट्रेक' परिवार की ओर से पवन पाटीदार को अग्रिम जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। संगठन, समाज और जिले के विकास के लिए उनका यह समर्पण यूँ ही नई ऊँचाइयों को छूता रहे– कामयाबी की यह रफ्तार यूँ ही बनी रहे और पवन पाटीदार राजनीति के आकाश में नई ऊँचाइयाँ छूते रहें–इसी विश्वास के साथ। इसी कामना के साथ। उनके जन्मदिवस के अवसर पर 'द न्यूज ट्रेक' परिवार की ओर से उन्हें अग्रिम शुभकामनाएँ। उम्मीद ही नहीं, विश्वास है कि पवन पाटीदार आने वाले समय में राजनीति के आकाश पर और भी बुलंद मुकाम हासिल करेंगे – और नीमच का नाम पूरे प्रदेश में रोशन करते रहेंगे।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा तीन आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में लोक-शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से तीन आदतन अपराधियों को छह माह की अवधि के लिए जिला बदर किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशानुसार अनावेदक दिनेश पिता सोमजी उर्फ हुमजी भूरिया निवासी काकनवानी जिला झाबुआ, प्रकाश पिता वरसिंह खराडी निवासी गुजरपाडा जिला झाबुआ तथा प्रमोद उर्फ चिंटू पिता सुरेश राठौर निवासी तेलीवाड़ा झाबुआ को आदेश प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, आलीराजपुर एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। यह आदेश छह माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। इस अवधि में सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के बिना संबंधित क्षेत्रों में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि अनावेदक दिनेश पिता सोमजी उर्फ हुमजी भूरिया, उम्र 42 वर्ष, निवासी काकनवानी, थाना काकनवानी, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध मारपीट, अवैध शस्त्र रखने, अवैध शराब रखने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने जैसे अपराध दर्ज हैं। उसकी आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने हेतु समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई, किंतु उसके आचरण में सुधार परिलक्षित नहीं हुआ। वर्ष 2016 से वह निरंतर आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। ग्राम काकनवानी एवं आसपास क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उसका जिला बदर किया जाना आवश्यक पाया गया। अनावेदक प्रकाश पिता वरसिंह खराडी, उम्र 48 वर्ष, निवासी गुजरपाडा, थाना मेघनगर, के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया।

कलेक्टर ने सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को जैकेट भेंट की

समस्त तहसील में 120 नए वॉलंटियर्स चयनित, भगोरिया एवं होली पर्व पर संभालेंगे जिम्मेदारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को जैकेट भेंट की गई। इसका उद्देश्य नवचयनित वॉलंटियर्स को पहचान, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के भाव से जोड़ते हुए आगामी त्योहारों एवं आपदा प्रबंधन कार्यों के लिए तैयार करना था।

कलेक्टर ने झाबुआ तहसील के 20 वॉलंटियर्स को स्वयं यूनिफॉर्म जैकेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिधान नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसे धारण करते समय प्रत्येक वॉलंटियर को अपने कर्तव्यों का गंभीरता से पालन करना होगा। जिले की समस्त तहसील में 120 नए सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स का चयन किया गया है। ये सभी वॉलंटियर्स आगामी भगोरिया हाट बाजार एवं होली पर्व के दौरान भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, आपात स्थिति में प्राथमिक सहायता, लापता बच्चों/व्यक्तियों की सहायता तथा प्रशासनिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाएंगे।

साथ ही किसी भी आकस्मिक आपदा, प्राकृतिक संकट अथवा आपातकालीन स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षित एवं तत्पर रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान समय में भगोरिया हाट का सुव्यवस्थित प्रबंधन सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग एकत्रित होते हैं, ऐसे में व्यवस्था बनाए रखने में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की महती भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि आप सभी को जिम्मेदारी, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना है, ताकि पर्व शांति, सौहार्द और सुरक्षा के साथ संपन्न हो।

कलेक्टर ने आगे कहा कि भविष्य में जब भी जिले में आपदा प्रबंधन की स्थिति निर्मित होगी, तब प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि जिले के प्रत्येक वार्ड, गांव एवं फलिये में सिविल डिफेंस का प्रतिनिधित्व सक्रिय रूप से उपलब्ध रहे। इससे आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी और जनहानि एवं नुकसान को न्यूनतम किया जा सकेगा। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री शशिधर पिल्लई, सिविल डिफेंस प्रभारी एवं वॉलंटियर्स उपस्थित रहे।

पाँच आवेदकों को 5-5 हजार एवं दो आवेदकों को 2-2 हजार की आर्थिक सहायता स्वीकृत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रस्तुत कीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 50 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों की तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में आवेदक श्री कपिल बाकलिया पिता सज्जनसिंह बाकलिया निवासी रम्भापुर द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि उनका टेंट का व्यवसाय है। झाबुआ के युवक विनय वर्मा, जो स्वयं को झाबुआ यूथ का संयोजक बताता है, द्वारा एक आयोजन के नाम पर टेंट लगवाया गया था, जिसका ?50,000/- (पचास हजार रुपये) का भुगतान बकाया है। जब भी भुगतान की मांग की जाती है तो उनके द्वारा टालमटोल किया जाता है, जिससे आवेदक मानसिक रूप से परेशान है। आवेदक ने बताया कि संबंधित व्यक्ति के पिता पुलिस विभाग में पदस्थ हैं तथा विनय वर्मा द्वारा उनके नाम का भी उल्लेख करते हुए कहा जाता है कि मेरी शिकायत कर दो, पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। आवेदक को जानकारी मिली है कि उक्त व्यक्ति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजनों के नाम पर विभिन्न व्यवसायियों के साथ इसी प्रकार धोखाधड़ी की जाती है तथा स्वयं को हिंदू संगठन से जुड़ा बताकर भुगतान नहीं किया जाता। आवेदक ने यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में भी कई टेंट व्यवसायियों के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी की गई है और उनका भुगतान लंबित है। आवेदक ने संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध उचित कार्यवाही कर बकाया राशि दिलाए जाने का निवेदन किया है।

आवेदक श्री सुनील पिता स्व. खुनसिंह डामोर निवासी ग्राम उदयमाल फुलमाल तहसील झाबुआ ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पिता को वनाधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त पट्टा उनकी मृत्यु के पश्चात उनके भाई द्वारा अपने एकल नाम पर दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है तथा उन्हें हिस्सेदारी से वंचित कर धमकी दी जा रही है। उन्होंने पट्टे के नामांतरण की जांच कर उचित कार्यवाही की मांग की।

आवेदक झमकलाल पिता देवराम पटेल निवासी नारेला रोड, बामनिया तहसील पेटलावद ने आवेदन में उल्लेख किया कि विपक्षीगण द्वारा स्वयं को आदिवासी समाज का बताकर राजस्व विभाग को भ्रामक जानकारी देकर रजिस्ट्री कराई गई है तथा अनुसूचित जाति वर्ग का अनुचित लाभ लिया गया है। उन्होंने संबंधित व्यक्तियों की जाति की जांच कर विधिसम्मत कार्यवाही किए जाने का निवेदन किया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

कार्तिक मेला प्रांगण में गूंजा वंदे मातरम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया ग्रामीण डाक सेवा सम्मेलन का शुभारंभ, कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्तिक मेला प्रांगण मंगलवार शाम देशभक्ति के स्वर और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, जब प्रदेश स्तरीय ग्रामीण डाक सेवा सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुई, जिसने पूरे माहौल को गरिमा और ऊर्जा से भर दिया।

कार्तिक मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम का मंगलवार शाम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया। आयोजन स्थल पर हजारों की संख्या में ग्रामीण डाक सेवक, विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। यहां विशाल मंच और बड़ा डोम बनाया गया था। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने डाक विभाग की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत-अभिनंदन किया। दोनों अतिथियों ने मंच से ग्रामीण डाक सेवा के कर्मचारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। सम्मान पाकर कर्मचारियों के चेहरे गर्व से दमक उठे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में भारतीय ग्रामीण डाक सेवा की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों में संचार, बैंकिंग और जनसेवा की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने में डाक विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी ग्रामीण डाक सेवक भरोसे और सेवा का मजबूत स्तंभ बने हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने भी ग्रामीण डाक कर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि बदलते समय में डाक विभाग ने खुद को आधुनिक तकनीक से जोड़ा है और गांव-गांव तक वित्तीय समावेशन की योजनाओं को पहुंचाया है।

सम्मेलन के माध्यम से ग्रामीण डाक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को नई योजनाओं, तकनीकी नवाचारों और विभागीय उपलब्धियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उत्साह और सहभागिता का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी मौजूद रहे।

गिरफ्त में ट्रेवल्स गोडाउन में चोरी करने वाला पारदी

सिक्के व नोट बरामद, सीसीटीवी में हुआ था कैद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेवल्स गोदाम में चोरी की वारदात करने वाले बदमाश को पुलिस ने चंद घंटे की तलाश के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 15 हजार 130 रुपए के सिक्के और नोट बरामद किए गए हैं। बदमाश पारदी गिरोह का है। सीसीटीवी कैमरा की मदद से उसे पकड़ने में सफलता मिली है।

देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि दूध तलाई स्थित ट्रेवल्स गोडाउन (अशोक ट्रेवल्स एवं जयपुर ट्रेवल्स) जहां बसों के माध्यम से पार्सल प्रेषित किए जाते हैं। वहा चोरी की वारदात होना मंगलवार सुबह सामने आया था। बदमाश द्वारा छत के रास्ते चोरी को अंजाम दिया था और गल्ले में रखी नगदी चुरा कर ले गया था। पुलिस ने तत्काल ही सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जिसमें वारदात रात 2 बजे के लगभग होना सामने आई। पुलिस ने कैमरो की मदद से बदमाश का पता लगाने के प्रयास शुरू किया बदमाश कई स्थानों पर दिखाई दिया। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई और कुछ घंटे बाद ही रेलवे स्टेशन माल गोदाम के पास से बदमाश को हिरासत में ले लिया गया। जिसके बैग से चोरी किये 15 हजार 130 रुपये के नोट और सिक्के बरामद कर लिए गए। पुलिस के अनुसार बदमाश पारदी गिरोह का अशोक पिता भेरूलाल निवासी गुना होना सामने आया है। जिसका आपराधिक रिकॉर्ड तलाशा जा रहा है वहीं अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि बदमाश चामुंडा माता चौराहा पर वर्तमान में फुटपाथ पर निवास कर रहा था और मंदिर समिति की ओर से मिलने वाली भोजन प्रसादी से पेट भर कर अपना जीवन यापन कर रहा था। आशंका जताई गई है कि पूछताछ में कुछ और वारदातों का सुराग मिल सकता है।

दो दिन में हटेंगे मकान, आज से शुरू होगा नाली निर्माण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढाबा रोड पर चल रहे चौड़ीकरण अभियान ने अब रफ्तार पकड़ ली है। मकानों को तोड़ने के बाद अगले चरण में नाली निर्माण का काम आज मंगलवार से शुरू किया गया। निगम आयुक्त ने साफ निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां साइट पूरी तरह क्लियर हो चुकी है, वहां बिना देरी नाली निर्माण प्रारंभ कर दिया जाए।

पिछले तीन दिनों से ढाबा रोड पर मकानों और दुकानों की तोड़फोड़ की कार्रवाई जारी है। रिकॉर्ड समय में मलबा हटाने का काम भी किया गया, ताकि यातायात बाधित न हो। मंगलवार सुबह निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा स्वयं मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मंदिर के सामने पहले चरण में काम - गेबी हनुमान मंदिर के सामने जिन भवनों को हटाया जा चुका है, वहां से नाली निर्माण की शुरुआत होगी। इंजीनियरों को निर्देश दिए गए हैं कि तय डिज़ाइन के अनुसार निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए।

कमरी मार्ग चौराहे का नया स्वरूप- कमरी मार्ग वाले चौराहे का डिज़ाइन भी तैयार कर लिया गया है। आज रात से यहां निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके साथ ही दानी गेट चौराहे पर भी कल रात अतिक्रमण हटाया गया और दुकानदारों को समय सीमा में स्थल खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रावण से पहले लक्ष्य पूरा करने की तैयारी- बाबा महाकाल की नगरी में श्रावण मास के दौरान निकलने वाली सवारी को देखते हुए प्रशासन किसी भी प्रकार की बाधा नहीं चाहता। इसी कारण सवारी मार्ग पर निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि मार्ग चौड़ीकरण समय पर पूरा हो सके।

निगरानी और जवाबदेही तय- निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य की रोजाना मॉनिटरिंग होगी। जहां भी लापरवाही या देरी सामने आएगी, संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों का दावा है कि दो दिन में शेष निर्माण भी हटा दिए जाएंगे और इसके बाद चौड़ीकरण और नाली निर्माण का कार्य तेज गति से आगे बढ़ेगा। शहर के इस प्रमुख मार्ग के विकसित होने से यातायात सुगम होगा और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

सिंहस्थ-2028: उज्जैन में सड़कों के निर्माण का टाइमलाइन कैलेंडर जारी

संभाग आयुक्त में अधिकारियों को दिया टारगेट, अगस्त 2026 से मार्च 2027 तक चरणबद्ध पूरा होगा निर्माण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों ने अब जमीन पर रफ्तार पकड़ ली है। शहर की सड़कों, चौड़ीकरण और संपर्क मार्गों के निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्त टाइमलाइन जारी कर दी है। संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने नगर निगम और संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तय समयसीमा में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह के अनुसार प्रशासन ने विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का खाका तैयार किया है, ताकि सिंहस्थ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उज्जैन शहर की बाहरी कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए जीवन खेड़ी-सिकंदरी मार्ग (एमआर-21) का निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण मार्ग को अगस्त 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसी क्रम में नक्षत्र होटल से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक सीसी रोड तथा गऊघाट ज्ञान सागर से कर्कराज टी तक सड़क निर्माण का कार्य जुलाई 2026 तक पूरा करने की योजना है। जंतर-मंतर सॉलिटेयर होटल से वाकणकर ब्रिज होते हुए रिंग रोड तक के मार्ग को सितंबर 2026 तक पूर्ण किया जाएगा। इस परियोजना में नई बॉक्स कल्वर्ट का निर्माण भी शामिल है, जिससे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

शहर के भीतरी हिस्सों में चौड़ीकरण की बड़ी चुनौती- घनी आबादी और व्यस्त बाजार क्षेत्रों में चौड़ीकरण प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक यही कारण है कि सांदीपनि चौराहा से उदयन मार्ग तक चौड़ीकरण दिसंबर 2026 तक पूरा होगा। वहीं गाड़ी अड्डा से खजूर वाली मस्जिद, वीडी क्लॉथ मार्केट होते हुए बड़ी पुलिया तक का प्रोजेक्ट चार चरणों में चलेगा और मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें तेलीवाड़ा से छोटी पुलिया तक का काम दिसंबर 2026 के अंत तक समाप्त किया जाएगा।

हनुमान नाका से हरिफाटक (डॉ. चौबे मार्ग) तक रेलवे संबंधी कार्य अप्रैल 2026 तक और सड़क निर्माण अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा।

राजस्व कॉलोनी और ढांचा भवन से एमआर-5 तक के कार्य भी वर्ष 2026 के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

महाकाल क्षेत्र पर विशेष फोकस- सिंहस्थ और धार्मिक आयोजनों को देखते हुए श्रद्धालुओं की सर्वाधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। गदा पुलिया से नरसिंह घाट तथा आरएनटी मार्ग (खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक) तक के कार्य जनवरी 2027 तक पूर्ण होंगे। नीलगंगा से हरिफाटक तक का मार्ग जून 2026 तक तैयार कर लिया जाएगा।

पंवासा मे विस्थापितों के लिए सुविधाएं - विकास कार्यों से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर भी प्रशासन ने फोकस किया है। पंवासा में आवंटित भूखंडों पर नागरिक सुविधाएं विकसित करने का कार्य दो चरणों में पूरा होगा—पहला चरण 18 मई 2026 और दूसरा चरण 30 जून 2026 तक।

गुणवत्ता और समयसीमा से समझौता नहीं- संभागायुक्त ने सभी इंजीनियरों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तय समयसीमा में कार्य पूर्ण हों और गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की रहे। नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा बैठकों के जरिए प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

'आदि- अनंत' में सजी शिव की दिव्य छटा, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव- 2026 के अंतर्गत आयोजित विक्रम नाट्य समारोह में मंगलवार को दिल्ली की अन्वेषणा सोसायटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाट्य 'आदिङ्कअनंत' का प्रभावशाली मंचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की आरती से हुई। यह प्रस्तुति कलाकार संस्कृति एवं लोकहित समिति उज्जैन के कलाकारों ने दी। इसके बाद अतिथि श्री राजेश सिंह कुशवाह वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन, डॉ. हरीश सिंह साहित्यकार, श्री योगेश शर्मा पूर्व अध्यक्ष छात्रसंघ विक्रम विश्वविद्यालय, श्री रूप पमनानी समाज सेवी ने कलाकारों का स्वागत एवं सम्मान किया, जबकि संचालन राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज ने किया। महाराज शोध पीठ, संस्कृति विभाग, मप्र शासन के तत्वावधान में कालिदास अकादमी के संकुल भवन में सायं 7ः30 बजे आदिङ्कअनंत की प्रस्तुति शुरू हुई। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को भगवान शिव के योगी और नटराज, दोनों स्वरूपों से सजीव परिचित कराया। नृत्य-नाट्य में शिव को एकत्व, ऊर्जा और ब्रह्मांडीय चेतना के प्रतीक रूप में उकेरा गया। भाव, संगीत और नृत्य के समन्वय ने पूरे सभागार में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। त्रिपुरांतक प्रसंग में तारकासुर के तीन पुत्रों के अत्याचार और देवताओं की पीड़ा का प्रभावी चित्रण किया गया।

गिरवी रखी बाइक को लेकर 2 पक्षों में हुआ विवाद

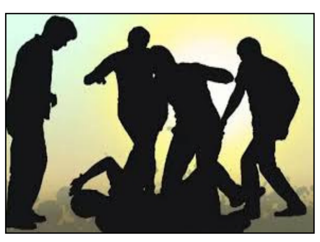

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गिरवी रखी बाइक को लेकर रविवार-सोमवार रात 2 पक्षों के बीच विवाद हो गया। दोनोंओर से लट्ठ चले और 4 लोग घायल हो गये। पुलिस ने क्रॉस प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि रात 11 बजे दारूलुम मस्जिद के पास मोचीपुरा में सलमान पिता सरदार खां निवासी अडान मोहल्ला और लतीफ पिता मोहम्मद शरीफ निवासी टोरंटो कालोनी के बीच विवाद हो गया था। मामले में सलमान की ओर से लतीफ और उसके 2 साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं लतीफ की शिकायत पर कमाल खान, हुसैन खान और नोना खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। सलमान का कहना था कि वह आटो गैरेज संचालित करता है। रूपयों की जरूरत होने पर लतीफ से 50 हजार रूपये लिये थे और बदले में जमानत के तौर पर बाइक लतीफ को दी थी। उससे उधार लिये रूपये लौटा चुका हूं। लतीफ से बाइक मांगी तो उसने कहा कि पैसे पूरे नहीं हुए है। अभी आकर बाइक की चाबी और आरसी कार्ड ले जा। वह दारूमुल मस्जिद के पास पहुंचा तो लतीफ और उसके साथियों ने मारपीट की। वहीं लतीफ का कहना था कि उसने कलाम खान को 60 हजार रूपये दिये थे। बदले में बाइक गिरवी रखी थी। कलाम ने 30 हजार रूपये लौटा दिये है, 30 हजार शेष है। कलाम प्रतिदिन बाइक की चाबी और गिरवी रखने के दौरान किया गया एग्रीमेंट लौटाने का बोल रहा था। मैने कहा कि शेष रूपये लौटा दो और चाबी के साथ एग्रीमेंट ले जाओं। इसी बात पर रात में कलाम अपने साथियों के साथ आया तो मारपीट करने लगा। बीच बचाव में मामी जीनत, मामू वसीम और नाना मेहमूद आये तो उनके साथ भी मारपीट की गई।

होलाष्टक प्रारंभ... अब आठ दिन मांगलिक कार्य रहेंगे स्थगित

मंदिरों में भक्ति और फाग की रंगत हुई शुरू, 3 मार्च को होगा समापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से होलाष्टक की शुरुआत हो गई है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार कृतिका नक्षत्र और वृषभ राशि में स्थित चंद्रमा की साक्षी में आरंभ हुआ यह आठ दिवसीय काल 3 मार्च तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत, मुंडन और अन्य मांगलिक संस्कारों को परंपरागत रूप से वर्जित माना गया है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार होलाष्टक को ऋतु परिवर्तन का संकेत भी माना जाता है। शास्त्रों में वर्णित है कि इन दिनों ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति और प्रकृति में बदलाव के कारण मनुष्य की मानसिकता और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। इसी कारण बड़े और शुभ कार्यों को टालने की परंपरा रही है।हालांकि मांगलिक कार्यों पर विराम रहेगा, लेकिन भक्ति, साधना और लोक उत्सवों की रंगत इस दौरान चरम पर रहेगी। शहर और गांवों में फाग गीतों की गूंज सुनाई देगी। मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन, होलिका दहन की तैयारियां और सामाजिक आयोजन शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु इस समय को आध्यात्मिक उन्नति और आत्मचिंतन के लिए भी उपयुक्त मानते हैं। धार्मिक मान्यता है कि होलाष्टक से पूर्णिमा तक के दिन विशेष साधना के लिए फलदायी होते हैं। कई लोग इस दौरान इष्ट देव की उपासना, जप-तप और दान-पुण्य करते हैं। 3 मार्च को होलाष्टक का समापन होगा, इसके बाद फाल्गुन पूर्णिमा पर होलिका दहन और अगले दिन धुलेंडी के साथ रंगोत्सव मनाया जाएगा। 4 मार्च से पुनः शुभ कार्यों का आरंभ संभव होगा।

होलाष्टक में क्या करें, क्या न करें- मंगलवार से होलाष्टक आरंभ हो गया है, ज्योतिष आचार्यों के अनुसार आज से विवाह, सगाई, गृह प्रवेश,

यज्ञोपवीत, मुंडन संस्कार अधिकारी वर्जित रहेंगे। इस दौराननया व्यवसाय या शुभ कार्य आरंभ नहीं किया जा सकेगा। होलाष्टक की अवधि में केवल इष्ट देव की आराधना,जप, तप और दान-पुण्य करना तथा फाग गीत, भजन-कीर्तन जैसी धार्मिक गतिविधियां हो सकेंगी।

प्रमुख तिथियां एक नजर में- 24 फरवरी- होलाष्टक प्रारंभ (फाल्गुन शुक्ल अष्टमी)

3 मार्च- होलाष्टक समापन

पूर्णिमा- होलिका दहन

अगले दिन- धुलेंडी (रंगोत्सव)

होलाष्टक के इन आठ दिनों में जहां एक ओर मांगलिक कार्यों पर विराम रहेगा, वहीं दूसरी ओर भक्ति, लोक परंपरा और उत्सव का उल्लास वातावरण में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

उज्जैन वन विभाग में स्टाफ संकट, जंगलों की निगरानी पर असर

रेंजर, वनपाल और वन रक्षक के पद रिक्त, अवैध कटाई और आरा मशीनों की जांच व्यवस्था प्रभावित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर और जिले के जंगलों की सुरक्षा इन दिनों कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रही है। उज्जैन वन विभाग में स्वीकृत पदों के मुकाबले महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं, जिससे न केवल जंगलों की निगरानी कमजोर हुई है बल्कि अवैध कटाई और तस्करी के मामलों पर नियंत्रण भी चुनौती बनता जा रहा है।

वन विभाग में जिला वन मंडल अधिकारी सहित कुल 43 अधिकारियों-कर्मचारियों का स्टाफ स्वीकृत है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई अहम पद खाली हैं। विभाग में रेंजर के तीन पद स्वीकृत हैं, परंतु वर्तमान में केवल एक रेंजर ही पदस्थ है। इसी तरह दो वनपाल के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से एक रिक्त है। वन रक्षक के 37 स्वीकृत पदों में से 32 पर ही पदस्थापना है।

इन रिक्तियों का सीधा असर जंगलों की गश्त, निगरानी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण पर पड़ रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार कर्मचारियों की कमी के चलते कई क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण प्रभावित हो रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल- स्टाफ की कमी के कारण जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीते कुछ समय में वनों की अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। पर्याप्त निगरानी नहीं होने से असामाजिक तत्व सक्रिय हो रहे हैं। वन विभाग से जुड़े कोर्ट प्रकरणों और नई योजनाओं के क्रियान्वयन में भी अधिकारियों को अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एक ही अधिकारी को कई जिम्मेदारियां संभालनी पड़ रही हैं, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है।

आरा मशीनों की जांच भी प्रभावित- शहर सहित जिले की सीमा में कुल 120 आरा मशीनें संचालित हैं। नियम के अनुसार हर माह 1 से 5 तारीख के बीच इनकी जांच का दायित्व वन विभाग का है। इसके लिए मासिक शेड्यूल भी निर्धारित है, लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण कई बार समय पर निरीक्षण नहीं हो पाता। ऐसे में अवैध लकड़ी के उपयोग और नियम उल्लंघन की आशंका बढ़ जाती है। नियमित जांच नहीं होने से विभागीय नियंत्रण कमजोर पड़ रहा है।

एक नजर में स्थिति

रेंजर - स्वीकृत पद॰ 3 7 पदस्थ॰ 1

वनपाल - स्वीकृत पद॰ 2 7 पदस्थ॰ 1

वन रक्षक - स्वीकृत पद॰ 37 7 पदस्थ॰ 32

उच्च स्तर पर पत्राचार का दावा- वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि रिक्त पदों को भरने के लिए उच्च स्तर पर पत्राचार किया गया है। यदि जल्द नियुक्तियां नहीं हुईं तो जंगलों की सुरक्षा व्यवस्था पर और अधिक दबाव बढ़ सकता है। कुल मिलाकर, हरियाली की रक्षा की जिम्मेदारी उठाने वाला विभाग खुद स्टाफ की कमी से जूझ रहा है, और इसका असर जंगलों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है।

इंदौर के बदमाशों ने तोड़ा था सुने मकान का ताला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक माह पहले हुई चोरी की वारदात में शामिल 2 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों से 5 लाख कीमत के आभूषण बरामद किए गए हैं । बदमाशों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के कृष्ण परिसर कॉलोनी में एक माह पहले अज्ञात बदमाशों द्वारा मकान का ताला तोड़कर आभूषण और नगदी के साथ कीमती सामान चोरी कर लिया गया था। नानाखेड़ा पुलिस द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इस दौरान सुराग मिला की चोरी में इंदौर के बदमाश शामिल है जिनकी तलाश शुरू की गई और तरुण उर्फ वरुण वर्मा के साथ अमन पाल को हिरासत में लिया गया। जिनसे पूछताछ की गई तो दोनों ने चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर सोने और चांदी के आभूषण कीमत 5 लाख बरामद किए हैं। दोनों से फिलहाल अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। दोनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जा सकता है। पुलिस के अनुसार वारदात विपिन कुमार के यहां हुई थी। वह 17 जनवरी को रिश्तेदारी में परिवार के साथ मुंबई गए हुए थे 25 जनवरी को वापस लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला था।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए समयसीमा में कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए गए। योगेश्वर टेकरी आर्य समाज मार्ग निवासी मदनलाल ने आवेदन दिया कि उनके घर में फ्रिज का कंप्रेशर फटने से आग लग गई थी। जिस कारण उनका पूरा घर जल गया। उक्त आग में जन हानि नहीं हुई है लेकिन प्रार्थी के घर में रखे सभी सामान और आवश्यक दस्तावेज जल गए है। प्रार्थी के घर के साथ-साथ उनके मकान से लगे हुए कुछ अन्य घर भी आग की चपेट में आ गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने इस पर तहसीलदार उज्जैन को तत्काल आर्थिक सहायता प्रार्थी को उपलब्ध कराएं जाने के निर्देश दिए। उज्जैन के ग्राम मोरुखेडी निवासी आशा बाई पति गिरधारी लाल ने आवेदन दिया कि उनके द्वारा आर्थिक समस्या के चलते एक व्यक्ति के पास घर के जेवर गिरवी रखे गए थे। प्रार्थियां के द्वारा कर्ज की राशि व्यक्ति को समय पर लौटाएं जाने के बावजूद व्यक्ति द्वारा उनके जेवर लौटाए नहीं जा रहे है। इस पर एडीशनल एसपी को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। झारडा के ग्राम रुदाहेडा निवासी लक्ष्मीबाई ने आवेदन दिया कि गांव में एक मछुआ सहकारी संस्था द्वारा तालाब में मत्स्याखेट के लिए प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र में फर्जी दस्तावेज लगाए गए है।

बोर्ड के बीच 9वीं-11वीं की परीक्षा, शिक्षकों की डबल ड्यूटी से बढ़ी चुनौती

शिक्षकों की तैनाती और मूल्यांकन साथ-साथ, छुट्टी के आवेदनों से बढ़ा दबाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में इन दिनों शिक्षा विभाग के लिए परीक्षा प्रबंधन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। एक ओर बोर्ड कक्षाओं की परीक्षाएं जारी हैं, तो दूसरी ओर मंगलवार से 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं भी शुरू हो गईं। ऐसे में केंद्र व्यवस्था, कक्ष निरीक्षक की तैनाती और उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जिम्मेदारी एक साथ आने से विभागीय अधिकारियों के सामने समन्वय की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

मंगलवार दोपहर से 9वीं-11वीं के प्रश्नपत्र खुलते ही परीक्षा केंद्रों पर हलचल बढ़ गई। इससे पहले से चल रही 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के बीच यह नया शेड्यूल जुड़ने से व्यवस्थाएं और अधिक जटिल हो गई हैं। खास बात यह है कि 12वीं बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी परीक्षा अवधि के साथ-साथ शुरू कर दिया गया है, ताकि परिणाम समय पर घोषित किए जा सकें।

एक साथ कई मोर्चे- इस बार शैक्षणिक सत्र में परीक्षाओं का क्रम पहले शुरू किया गया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इसका उद्देश्य परिणामों में देरी से बचना है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर व्यवस्थाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। अधिकारियों को केंद्र निर्धारण से लेकर निरीक्षकों की ड्यूटी तय करने और मूल्यांकन कार्य में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक कई मोर्चों पर एक साथ काम करना पड़ रहा है।

शिक्षकों का कहना है कि परीक्षा ड्यूटी और कॉपी जांच, दोनों जिम्मेदारियां एक साथ मिलने से कार्यभार बढ़ गया है। हालांकि विभाग का दावा है कि भोपाल से मिले दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पूरी प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

छुट्टियों के आवेदन बढ़े- परीक्षा अवधि के दौरान भी बड़ी संख्या में शिक्षकों द्वारा अवकाश के लिए आवेदन किए जाने से परेशानी और बढ़ गई है। किसी ने पारिवारिक कार्यक्रम तो किसी ने स्वास्थ्य कारण बताकर छुट्टी की मांग की है। ऐसे मामलों में अधिकारियों को जिला स्तर पर मार्गदर्शन लेकर ही निर्णय करना पड़ रहा है। जानकारों का कहना है कि परीक्षा जैसे संवेदनशील समय में जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति से व्यवस्था प्रभावित होती है। वहीं ड्यूटी निभा रहे शिक्षकों में अतिरिक्त बोझ को लेकर असंतोष भी देखा जा रहा है।

जल्द समाप्त होंगी कुछ परीक्षाएं- इधर 5वीं, 8वीं और 10वीं की परीक्षाएं आगामी तीन से चार दिनों में पूरी होने की संभावना है। इससे कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। तब तक विभाग के लिए परीक्षा प्रबंधन की यह डबल ड्यूटी कसौटी बनी रहेगी।

अनादि पर्व में भक्ति, लोक और कथक की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव- 2026 के अंतर्गत आयोजित 'अनादि पर्व' में मंगलवार को शहर के विभिन्न मंचों पर संगीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां हुईं। विक्रम व्यापार मेले के इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर मंच पर उज्जैन की सुश्री नंदिनी श्रीवास्तव ने भक्ति गायन की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनके सुरों में सजी भक्तिमय रचनाओं ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। मधुर स्वर और सशक्त अभिव्यक्ति से उन्होंने श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया, जिस पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहना व्यक्त की। इसी क्रम में उज्जैन के श्री अनिल गंधवा ने सधी हुई पदचाप, आकर्षक मुद्राओं और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ कथक की प्रस्तुति दी, जिसे खूब सराहना मिली। कार्यक्रम में लोक और शास्त्रीय कला का सुंदर संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित जनों को देर तक प्रभावित किया।